卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्निं जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारूत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 191 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦रविवार ♦ 21 अप्रैल 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

जिपं अध्यक्ष रेनू गंगवार और सुरेश गंगवार भाजपा में शामिल

वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत की पुत्रवधू अनुकृति गुसाई ने भी थामा भाजपा का दामन

रूद्रपुर/देहरादून (उद संवाददाता)। उधम सिंह नगर की जिला पंचायत अध्यक्ष रेनू गंगवार और उनके पति सुरेश गंगवार ने आज देहरादून में भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। रेनू गंगवार और सुरेश गंगवार ने पिछले दिनों कांग्रेस पदाधिकारियों पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए पार्टी से त्यागपत्र दे दिया था, आज उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट के समक्ष भाजपा का दामन थाम लिया। इस दौरान कांग्रेस के दिग्गज नेता हरक सिंह रावत की पुत्रवधु अनुकृति गुसाईं ने भी भाजपा की सदस्यता ली। बता दें जिला पंचायत अध्यक्ष रेनू गंगवार और सुरेश गंगवार ने पिछले दिनों कांग्रेस से त्यागपत्र देते हुए कहा कि पार्टी में उनकी उपेक्षा की जा रही है,हालाकि इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष का बयान आया था कि सुरेश गंगवार और रेनू गंगवार को पार्टी से निष्कासित किया जा चुका है। रेनू गंगवार और सुरेश गंगवार के कांग्रेस छोड़ने के बाद भाजपा में शामिल होने के कयास लगाये जा रहे थे। रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट ने दोनों को पार्टी की सदस्यता दिलाते हुए उनका स्वागत किया। इस दौरान सुरेश गंगवार ने कहा कि भाजपा को मजबूत बनाने और प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने में वह कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इस दौरान कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत की पुत्रवध ू मिस इंडिया रह चुकी अनुकृति ने भी कई समर्थकों ने भी भाजपा ज्वाइन की।बता दें कि अनुकृति ने भी लोकसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस से इस्तीफा दिया था। चुनाव प्रचार के दौरान अनुकृति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का समर्थन किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा था कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ही देश विश्व की तीसरी महाशक्ति बन सकता है। (शेष पृष्ठ सात पर)

महिला पुलिसकर्मी के पति ने फांसी लगाकर दी जान

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। गत सायं 31 वाहिनी पीएसी में तैनात महिला पुलिसकर्मी के पति ने अज्ञात कारणों के चलते घर में फांसी लगा ली। परिजन उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गये जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक का विवाह हुए अभी एक वर्ष भी पूरा नहीं हुआ था। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर परिजनों से आवश्यक जानकारी ली और शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। जानकारी के अनुसार आदर्श कालोनी घास मंडी निवासी 32 वर्षीय आकाश द्विवेदी पुत्र विश्वमित्र का विवाह गत वर्ष मई माह में रामनगर निवासी नैना तिवारी से हुआ था। नैना वर्तमान में 31 वाहिनी पीएसी में तैनात है। बताया जाता है कि गत सायं करीब साढ़े छह बजे नैना अपने पति आकाश के साथ स्कूटी पर सवार होकर बाजार से सामान लेकर घर आई थी। घर पहुचने के बाद आकाश घर के दो मंजिल पर जाकर कमरे में आराम करने लगा। करीब एक घंटे बाद जब उसके पिता विश्वमित्र उसे बुलाने ऊपर कमरे में गये तो वहां पुत्र आकाश को फांसी पर लटका देख हक्केबक्के रह गये। उन्होंने आवाज देकर परिजनों को वहां पर बुला लिया। आनन फानन में आकाश को फांसी से उतार कर परिजन उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले गये। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर परिजनों से आवश्यक जानकारी ली और शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। बताया जाता है कि अभी नैना की कोई संतान नहीं है। घटना से जहां परिजनों में कोहराम मचा हुआ है वहीं पीएसी परिसर में भी शोक की लहर व्याप्त है।

आपसी विवाद में किशोर को गोली मारी

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। नगर के रामपुर रोड पंचायत घरआनंदपुर क्षेत्र में रात दो बजे एक किशोर को पड़ोसी ने मामूली बात पर गोली मार दी । जिसमें किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे गंभीर हालत में उपचार के लिए सुशीला तिवारी अस्पताल में भर्ती कराया जहां से उसे बरेली रेफर किया गया है। जबकि आरोपी मौके से फरार हो गया है। आनंदपुर में वेदांत मौर्य पुत्र सुनील मौर्य कपड़े बेचने का काम करता है। उसी के पड़ोस में रहने वाला किशन ठाकुर नाम का व्यक्ति कपड़े बेचने का काम करता है। बीती रात किसी बात को लेकर किशन ठाकुर वा वेदांत झगड़ा हो गया झगड़ा इतना बढ़ गया कि किशन ठाकुर ने वेदांत को को गोली मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वेदांत को घायल अवस्था में एसटीएच ले जाया गया लेकिन (शेष पृष्ठ सात पर)

अफसाना मर्डर केस में पुलिस के हाथ खाली

हल्द्वानी।शहर के अपराध निकल कर रामपुर रोड की ओर बढ़ चला है। पहले आस्था मर्डर केस और अब किशोर को गोली मारने के मामले पुलिस की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गई है। अफसाना मर्डर केस में पुलिस के हाथ अभी भी खाली हैं। पुलिस अफसाना के कातिल पति को नहीं ढूंढ पाई है। पुलिस अभी तक उसकी लोकेशन ही ट्रेस नही कर पाई है। उसे जमीन खा गई या फिर आसमान निगल गया,इसे बारे में पुलिस कुछ भी बताने से इंकार कर रही है।

लाखों के चोरी के जेवरात सहित दम्पत्ति गिरफ्तार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। लालकुओ कोतवाली पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए चोरी के लाखों कीमत के जेवरात व अन्य सामान सहित पति पत्नी कों गिरफ्तार किया है। मामले का खुलासा करते हुए सीओ संगीता ने बताया कि शातिर दम्पत्ति द्वारा हल्दूचौड़ पंचायतघर के पास कपड़े की अस्थायी दुकान लगायी थी। दोनो पति पत्नी फेरी करने के बहाने अपने आसपास के इलाके में स्थित बंद घर जिसमें ताले लगे हो उनको दिन के समय चिन्हित कर रात्रि में अपने पास रखे औजारों से हालात के अनुसार या तो ताला तोड़कर या कुंडा खोलकर या जाली या खिड़की काटकर अंदर घुस जाता था और उसकी पत्नी बाहर लोगो पर निगरानी करती हैं। उसके बाद चोरी करके चोरी में मिले सामान को छोटे छोटे टुकड़ो में धीरे-धीरे कर कर बेचते रहते हैं। चोरी करने के कुछ दिनो बाद ही उसी इलाके में अपना कमरा बदलकर रहते हैं। उन्होंने बताया कि ग्राम डूंगरपुर निवासी हेमचन्द्र जोशी पुत्र रेवाधर जोशी ने 4 मार्च को तथा ग्राम दुर्गापालपुर परमा निवासी चंदन सिंह बिष्ट पुत्र स्व.भवान सिंह ने 14 मार्च को अपने अपने घरों से चोरी हाने की घटना की रपट दज कराई गई थी। दोनों मामलों के खुलासे के लिए गठित पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में लगे सीसीजेटी कैमरों की जांच के साथ ही सभी प्रयास किये गये। आखिरकार दोनों मामलों का खुलासा कर पुलिस ने पति पत्नी को चोरी के जेवर व अन्य सामान सहित गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ करने पर दम्पत्ति ने अपना नाम पता मुनेन्द्र सिंह पुत्र राकेश चन्द्रपाल निवासी (शेष पृष्ठ सात पर)

शादी में खाना खाने को लेकर मारपीट,जमकर चले लाठी डंडे

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। शादी समारोह में उस समय हंगामा हो गया जब खाने को लेकर दो पक्षों में भिड़ंत हो गई। इस दौरान जमकर लाठी डंडे चले। कई वाहनों के शीशे टूटने की बात भी कही जा रही है। वहीं इलाज कराने के लिए बेस अस्पताल पहुंचे दोनों गुट वहां भी भिड़ गए जिससे अस्पताल में अफरा तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाठियां भांजकर उन्हें शांत कराया। दोनों पक्षों की ओर से तहरीर दी गई है। बताया जा रहा है रामपुर रोड में एक विवाह समारोह चल रहा था। इसी दौरान खाने को लेकर दो पक्ष भिड़ गए। बात बढ़ी तो लाठी डंडे निकल आए जिससे शादी समारोह में अफरा तफरी मच गई। जिसमें कई लोग घायल हो गए। मेडिकल कराने के लिए जब दोनों पक्ष अस्पताल पहुंचे वहां भी उनकी जमकर झड़प हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई और उन्हें लाठियां भांजकर खदेड़ दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इनसेट, नगर पूरी तरह अपराधियों की गिरफ्त में है। आए दिन अपराधी किसी न किसी घटना को अंजाम देते नजर आ रहे हैं लेकिन पुलिस अपनी आंखें मूंद कर बैठी है अपराधियों को पकड़ना (शेष पृष्ठ सात पर)

ट्रेन की चपेट में आकर फैक्ट्री कर्मी की मौत

काशीपुर(उद संवाददाता)। महुआखेड़ा गंज की एक फैक्ट्री में कार्यरत कर्मचारी की ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद मृतक के शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के मुताबिक मूल रूप से शिवराजपुर पट्टी थाना कुंडा निवासी श्याम सिंह 30 वर्ष पुत्र राम सिंह पिछले कुछ समय से गाम पैगा निवासी गेंदा सिंह के मकान में बीवी बच्चों के साथ किराए पर रहते हुए समीप स्थित एक फैक्ट्री में नौकरी किया करता था। बताया जा रहा है कि गत शनिवार की शाम महुआ खेड़ा गंज रेलवे क्रॉसिंग से 200 मीटर की दूरी पर समय शाम लगभग 6:00 बजे ट्रेन संख्या 053 54 की चपेट में आ गया इस दौरान उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एक्सीडेंट के बाद ट्रेन का गार्ड मृतक के शव को राज्य की सीमा से लगे उत्तर प्रदेश की सीमा में स्थित अलीगंज स्टेशन ले गया। मृतक के एक 8 वर्ष की पुत्री शिवांगी तथा 6 वर्ष की पुत्री सारिका है। घटना की जानकारी परिजनों को मिलने पर पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है तो वही मासूम बच्चियों के सिर से पिता का साया उठ जाने के कारण बच्चे खुद को यतीम महसूस कर रहे हैं।

मृतक की जेब से मिला ट्रेन का टिकट

काशीपुर। रेलवे सुरक्षा बल के पोस्ट कमांडेंट रणदीप सिंह से जब इस बारे में जानकारी लेने का प्रयास किया तो उन्होंने घटना को स्पष्ट रूप से आत्महत्या बताया। कहा कि एक्सीडेंट सामने से हुआ है जबकि मृतक की जेब में पीरुमदारा से रोशनपुर तक का इसी ट्रेन का टिकट मिला। यानी बाकायदा टिकट लेकर यदि मृतक सफर कर रहा था तो आत्महत्या का सवाल ही नहीं पैदा होता। इस तरह की स्थिति में वह सामने से ट्रेन की चपेट में कैसे आ सकता है। और दूसरी बात किया है कि यदि एक्सीडेंट उत्तराखंड की सीमा में हुआ (शेष पृष्ठ सात पर)

उत्पीड़न पर भड़के बगवाड़ा मंडी के व्यापारी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। बगवाड़ा मंडी के व्यापारियों ने आज व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा के नेतृत्व में प्रशासनिक उत्पीड़न के खिलाफ मोदी मैदान में जोरदार प्रदर्शन किया। संजय जुनेजा ने बताया कि लोकसभा चुनाव के चलते प्रशासन द्वारा बगवाड़ा मंडी में चुनाव प्रक्रिया सचालित की जा रही है। जिसके तहत प्रशासन द्वारा यहां के व्यापारियों से कहा गया कि ईवीएम मशीनों कों मतदान कर्मचारियों को वितरित किया जाना है इसलिए तीन चार दिन तक यहां कारोबार न करें। यह कार्य सम्पन्न होने के बाद जब व्यापारी कारोबार शुरू करने के लिए अधिकारियों से बातचीत करने गये तो वह गोलमोल बात करने लगे। संजय ने कहा कि बगवाड़ा मंडी में जनपद उधमसिंह नगर क्षेत्र की इवीएम स्ट्रांग रूम में रखी गई हैं। मतगणना 4 जून को की जानी है। यदि मंडी के व्यापारियों को यहां करीब दो महीने कारोबार नहीं करने दिया गया तो काफी नुकसान होगा। यहां मंडी से रूद्रपुर सहित निकटवर्ती (शेष पृष्ठ सात पर)

देहरादून से पिथौरागढ़ की हवाई सेवा अब सप्ताह में 6 दिन संचालित होगी

चारधाम यात्रा के लिए 20 जून तक हेली सेवा फुल

देहरादून। पिथौरागढ़ की हवाई सेवाओं का भी सरकार ने विस्तार कर दिया है। अभी तक देहरादून से पिथौरागढ़ की हवाई सेवा सप्ताह में तीन दिन संचालित हो रही थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर छह दिन कर दिया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, इस हवाई सेवा से स्थानीय लोगों के आवागमन में और अधिक सुविधा मिलेगी। साथ ही सीमांत क्षेत्र के पर्यटन को विस्तार मिलेगा व स्थानीय लोगों की आजीविका भी बढ़ेगी। वहीं राज्य में 10 मई से शुरू होने जा रही चारधाम यात्रा के मद्देनजर केदारनाथ हेली सेवा की बुकिंग में जबरदस्त उत्साह नजर आया है। शनिवार को कुछ ही घंटों के भीतर 10 मई से 20 जून तक के सभी टिकट बुक हो गए। अब मानसून सीजन को छोड़कर उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण ने सितंबर-अक्तूबर की हेली सेवाओं की बुकिंग विंडो खोल दी है। शनिवार को सुबह जैसे ही केदारनाथ हेली सेवाओं की बुकिंग आईआरसीटीसी की वेबसाइट के माध्यम से शुरू हुई तो जबरदस्त उत्साह नजर आया। शाम करीब पांच बजे तक 10 मई से लेकर 20 जून तक के सभी हेली टिकट बुक हो गए। युकाडा के सीईओ सी रविशंकर ने बताया कि चूंकि 20 जून से लेकर जुलाई व अगस्त में हेली सेवा ऑपरेटर कम रहते हैं। लिहाजा, इस अवधि की हेली बुकिंग अभी नहीं की जा रही है। उन्होंने बताया कि तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए शनिवार को ही 15 सितंबर से 31 अक्तूबर की अवधि की हेली बुकिंग भी खोल दी गई है। देर शाम तक इस अवधि की भी टिकट बुकिंग में तेजी आनी शुरू हो गई थी। चारधाम यात्रा के लिए 1904 बुकिंग के साथ महाराष्ट्र पहले स्थान पर है। उत्तर प्रदेश की 878, गुजरात की 847, कर्नाटक की 841, उत्तराखंड की 837, दिल्ली की 793, तेलंगाना की 679, मध्य प्रदेश की 437, आंध्र प्रदेश की 405, पश्चिम बंगाल की 391, राजस्थान की 328, हरियाणा की 251, अरुणाचल प्रदेश की 238, ओडिशा की 219, तमिलनाडु की 185, छत्तीसगढ़ की 177, बिहार की 111, पंजाब की 109, झारखंड की 96, हिमाचल प्रदेश की 41, जम्मू कश्मीर की 41, केरल की 27, चंडीगढ़ की 22, गोवा की 16, असम की 10, दादर नगर हवेली व दमन और दीव की चार, त्रिपुरा की चार, अंडमान, लद्दाख, लक्षद्वीप, मेघालय, पुडुचेरी, सिक्किम की दो-दो, मणिपुर की एक और अंतरराष्ट्रीय स्तर से आठ बुकिंग हुई है।

24 दिन बाद भी फरार शार्प शूटर सर्बजीत की तलाश जारी

नानकमत्ता। बाबा तरसेम सिंह हत्याकांड के मामले में फरार दूसरे शार्प शूटर सर्बजीत सिंह का 24 दिन बाद भी पुलिस के हाथ कोई सुराग नहीं लगा है। उसकी तलाश में पुलिस दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और यूपी में लगातार दबिश दे रही है, लेकिन लोकेशन न मिलने से सर्बजीत अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। 28 मार्च 2024 को डेरे में घुसकर तरनतारन, पंजाब निवासी शार्प शूटर सर्बजीत सिंह और बिलासपुर, यूपी निवासी अमरजीत सिंह ने गोली मारकर बाबा तरसेम सिंह की हत्या कर दी थी। शार्प शूटर अमरजीत को पुलिस हरिद्वार जिले में नौ अप्रैल को एनकाउंटर कर चुकी है, लेकिन दूसरा शार्प शूटर सर्बजीत अभी भी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। हालांकि पुलिस अभी तक बाबा तरसेम सिंह की हत्या के षडयंत्र में शामिल नौ लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। दो अभियुक्तों शाहजहांपुर निवासी दिलबाग सिंह और बिलासपुर निवासी सुल्तान सिंह को पुलिस कस्टडी रिमांड में लेकर हत्या में प्रयुक्त रायफल भी बरामद कर चुकी है। लेकिन मुख्य हत्यारोपी सर्बजीत सिंह की अभी तक लोकेशन नहीं मिली है। उसकी तलाश में पुलिस यूपी, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में लगातार दबिश दे रही है, लेकिन अभी तक उसका सुराग नहीं लग सका है।

राज्यपाल ने दी महावीर जयंती की शुभकामनाएं

देहरादून (उद संवाददाता)।राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने प्रदेशवासियों को महावीर जयंती की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर की शिक्षाएं और जीवन संदेश अनुकरणीय हैं तथा अहिंसा, लोक कल्याण, त्याग और समर्पण की प्रेरणा देती हैं। भगवान महावीर ने सत्य, अहिंसा व प्राणि मात्र के प्रति दया भाव की शिक्षा दी, जो आज भी प्रासंगिक है। समाज में प्रेम, समरसता व सद्भाव के लिए जीवन में भगवान महावीर के सिद्धांतों को अपनाए जाने की आवश्यकता है।

राजनैतिक दलों की मौजूदगी में ईवीएम स्ट्रांग रूम किया सील

बागेश्वर। जिले में लोक सभा चुनाव कुशलतापूर्वक सम्पन्न हो गया है। जिले की दोनों विधानसभाओं की सभी 381 पोलिंग पार्टिया सकुशल मतदान कराने के बाद वापस स्ट्रांग रूम लौट गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराधा पाल सभी मतदान पार्टियों के वापस आने तक मतपेटियों के स्ट्रांग रूम पहुँचने के बाद सभी मतदान कर्मियों अधिकारियों का आभार जताते हुए सुरक्षित और शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न कराने पर सभी का आभार जताया।डिग्री कालेजमें बने स्ट्रांग रूम में सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम को सील किया गया। स्ट्रांग रूम की कड़ी सुरक्षा के लिए अर्द्धसैनिक बलों,पुलिस की तैनाती की गई है। साथ ही सीसीटीवी कैमरे से भी निगरानी रहेगी। जिले में शुक्रवार शाम सात बजे की रिपोर्ट के मुताबिक कुल 54.23 फीसदी मतदान प्रतिशत रहा। जिसमें महिला 60.57 फीसदी और पुरूष 48.10 प्रतिशत रहा। विधानसभा कपकोट की बात की जाय तो यहां महिला मतदान 58.79 फीसदी एवं पुरुष मतदान 48.27 प्रतिशत कुल 53.44 फीसदी रहा। इधर विधानसभा बागेश्वर में महिला मतदान 62.08 प्रतिशत और पुरुष मतदान 47.96 फीसदी कुल 54.90 प्रतिशत रहा।जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा की जिले में लोक सभा चुनाव सुरक्षित और सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया है। राजनैतिक दलों की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम को सील किया गया।इस दौरान एसपी अक्षय कोंडे,उप जिला निर्वाचन अधिकारी एनएस नबियाल,एआरओ/एसडीएम बागेश्वर मोनिका,एआरओ/एसडीएम कपकोट अनुराग आर्य, राजनैतिक पार्टी से बीजेपी, कॉंग्रेस आदि के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

चुनाव ड्यूटी से लौट रहे गेस्ट टीचर की सड़क हादसे में मौत

हल्द्वानी। सांवल्दे स्कूल से चुनाव ड्यूटी करने के बाद सीसीटीवी कैमरा जमा करने के लिए हल्द्वानी आ रहे गेस्ट टीचर सड़क दुर्घटना में गंभीर घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए सुशीला तिवारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पांच घंटे चले इलाज के बाद उनकी मौत हो गई। हादसा लामाचौड़ के पास हुआ। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखा गया है।रामनगर के ग्राम चोरपानी जोशी कालोनी निवासी 42 वर्षीय अरुण उप्रेती पुत्र गोपाल दत्त उप्रेती देवीपुरा मालधनचौड़ में गेस्ट टीचर थे। 19 अप्रैल को हुए चुनाव में उनकी ड्यूटी सांवल्दे स्कूल में वेब कास्टिंग में लगी थी। शुक्रवार को मतदान के बाद देर हो गई थी। इसलिए वह शनिवार की सुबह अपनी बाइक से एमबीपीजी के स्ट्रांग रूम में सीसीटीवी कैमरा जमा करने आ रहे थे। लामाचौड़ के पास अज्ञात वाहन ने रात करीब 10:30 बजे उन्हें टक्कर मार दी। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सुशीला तिवारी अस्पताल भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। अरुण के माता-पिता की कुछ साल पहले मौत हो चुकी है। घर पर उनकी पत्नी व तीन बच्चे हैं। दो बेटियां बड़ी व एक छोटा बेटा छह साल का है। उनकी मौत से परिजनों में कोहराम है। उनके निधन पर गेस्ट टीचर एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष विक्की रावत ने दुख जताया है। इधर, परिजनों का कहना है कि सीसीटीवी को लाने व ले जाने के लिए प्रशासन की ओर से व्यवस्था की जानी चाहिए थी। ऐसा होता तो शायद अरुण की जान बच जाती।

सड़क से वंचित मटयोली के पांच गांवों ने नहीं डाले वोट

बागेश्वर(उद संवाददाता)। निर्वाचन आयोग की लगातार अपील के बाद भी मटयोली के ग्रामीणों ने बूथ में मतदान नहीं किया। उन्होंने कहा कि जब तक उन्हें यातायात सुविधा नहीं मिलेगी वे प्रत्येक चुनाव का बहिष्कार करेंगे। ग्रामीणों को मनाने के लिए प्रशासन लगातार प्रयास करता रहा परंतु ग्रामीणों ने कहा कि जब तक सड़क पर जेसीबी नहीं चलेगी तब तक वे मतदान नहीं करेंगे। मटयोली क्षेत्र के वल्ला नैल चमोली, पल्ला नैल चमोली, तल्ला मटयोली व पल्ला मटयोली व ताछनी के ग्रामीणों ने हरूनाथ से ताछनी तक मोटर मार्ग का निर्माण किए जाने व ताछनी से गुरना तक मोटर मार्ग में डामरीकरण की मांग को लेकर पूर्व में ही चुनाव बहिष्कार की चेतावनी दी थी। इसके बाद प्रशासन ने कई बार अलग अलग टीमों को भेजकर ग्रामीणों को मनाने का प्रयास किया तथा उन्हें मतदान के लिए प्रेरित किया परंतु ग्रामीण नहीं माने। उन्होंने चुनाव प्रचार में आने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता को भी अपनी मांगों व निर्णय से अवगत कराया। इधर लोकसभा चुनावों में क्षेत्र के लगभग 500 मतदाताओं ने चुनाव बहिष्कार किया। आंदोलनकारी भगवत सिंह बिष्ट ने बताया कि किसी भी ग्रामीण ने मतदान नहीं किया है। बूथ में कुछ कर्मचारियों के ईडीसी के तहत मतदान किया है जो कि ग्रामीणों के वोट नहीं हैं। जिलाधिकारी बागेश्वर अनुराधा पाल के अनसार मटयोली के ग्रामीणों ने चुनाव का बहिष्कार किया है जिन्हें मनाने के लिए प्रशासन अब भी प्रयास कर रहा है। ग्रामीणों की मांग के अनुसार सड़क वन मंत्रालय में लंबित है तथा सडक स्वीकृत करने की कार्रवाई चल रही है। ग्रामीणों की इस मांग को लेकर चुनाव बहिष्कार उचित नहीं है।

हरिद्वार सीट के साथ देश भर में इंडिया गठबंधन जीतने के संकेत: हरीश रावत

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखंड में पहले चरण का मतदान सम्पन्न होने के बाद राजनीतिक दलों के नेता मतदान के रूझानों का आंकलन करने में जुट गये है। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सीएम हरीश रावत हरिद्वार लोकसभा सीट पर हुए मतदान को लेकर अपनी प्रतिकिया व्यक्त की है। पूर्व सीएम हरीश रावत का कहना है कि हरिद्वार एक लघु भारत है, एक छोटी दिल्ली भी है। हरिद्वार को समझने का अर्थ है कि आप भारत को समझ रहे हैं, जो सूचनाएं मेरे तक पहुंच रही हैं हमारे कार्यकर्ता साथी, पत्रकारों, स्वतंत्र पर्यवेक्षकों, उसके अनुसार हम हरिद्वार में चुनाव अच्छे मतों से जीतने जा रहे हैं। यदि हरिद्वार में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन जीत रहा है तो इसका अर्थ है कि प्रथम चरण के चुनाव में देश भर में इंडिया गठबंधन जीत रहा है। उत्तराखंड में जो चुनावी संकेत मिल रहे हैं, वह अत्यधिक उत्साहवर्धक हैं। भाजपा को अब केवल अदृश्य तकनीकी सहायता का ही भरोसा करना चाहिए नहीं तो लोकसभा चुनाव 2024 उनके हाथ से फिसल गया है। प्रथम चरण इसका जबरदस्त संकेत दे रहा है।

कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक प्रधानमंत्री को मिला जनसमर्थन: सीएम

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, ...सभी लोगों ने मतदान प्रक्रिया को पूरा कराने में सहयोग दिया है। ...हम अच्छे अंतर से पांचों सीटें जीतेंगे। उत्तराखंड में लोकसभा चुनाव का मतदान संपन्न होने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भाजपा पांचों सीटें जीतेगी। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की नफरत की दुकान पर ताला लगने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराने में मतदाताओं और जनता का सहयोग पर धन्यवाद किया। सीएम ने कहा कि चुनाव ड्यूटी में लगे सभी कर्मचारियों और अधिकारियों का धन्यवाद करता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक मतदाताओं ने प्रधानमंत्री को जनसमर्थन दिया है। उत्तराखंड की पांचों लोकसभा सीटों पर मतदान की प्रक्रिया संपन्न हो गई। यहां शांतिपूर्ण मतदान रहा। सभी मतदाताओं और देवतुल्य जनता का मतदान के लिए मैं दिल से धन्यवाद करता हूं। उन्होंने कहा कि पूरे भारत में उत्साह का वातावरण है। देश के लोग विकसित भारत के साथ चलना चाहते हैं। देश की जनता प्रधानमंत्री के साथ खड़ी है। देवभूमि ने कांग्रेस गठबंधन की नफरत की दुकान पर ताला लगाने की शुरुआत कर दी है।

ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ के वेदपाठी हीरेमठ का निधन

रूद्रप्रयाग। दिल का दौरा पड़ने से ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ के वेदपाठी मृत्युंजय हीरेमठ का निधन हो गया। हीरेमठ अपनी मधुर वाणी से बाबा केदार के भजनों को नया रूप दे रहे थे । ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ के वेदपाठी मृत्युंजय हीरेमठ के निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। उखीमठ में उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान लोग भावुक हो गए। महज 31 की उम्र में उनके निधन से लोगों झटका लगा है। बता दें कि हीरेमठ केदारनाथ धाम में वेदपाठी का कार्यभार संभाल रहे थे। वो अपनी मधुर वाणी से बाबा केदार के भजनों को नया रूप दे रहे थे । वेदपाठी मृत्युंजय हीरेमठ के निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। आज उनकी अंतिम यात्रा में उखीमठ में उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। यहां तक की लोग भावुक भी हो गए। बद्रीनाथ केदार मंदिर समिति ने वेदपाठी मृत्युंजय हीरेमठ निधन पर शोक जताया है। वहीं हिरेमठ महाराज के निधन पर उनके कई शुभचिंतकों ने भी सोशल मीडिया पर उनके स्त्रोतों को याद करते हुए शोक संवेदना व्यक्त की है। बाबा केदार के अनन्य भक्त परम शैव मृतुन्जय हिरेमठ (महाराज) जी नहीं रहे केदार बाबा के सेवानिवृत्त पुजारी १०८ श्री गुरु लिंग जी महाराज के चार पुत्रों में सबसे छोटे पुत्र थे। केदारनाथ औंकारेश्वर मन्दिर ऊखीमठ में आप वेदपाठी के पद पर कार्यरत थे६ ,सुबह और संध्या में मन्दिर से माइक की मधुर आवाज से भक्तों को भावविभोर करने वाली आवाज आज थम गई है । बाबा केदारनाथ पुण्य आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे।

तराई में बढ़ती गर्मी से लोग बेहाल

रुद्रपुर। अप्रैल में प्रचंड गर्मी और तेज धूप से राहत मिलने के आसार नहीं दिख रहे हैं। मौसम विभाग की ओर से एक सप्ताह तक तापमान के बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। आलम यह है कि सुबह से ही सूर्य की किरणें चुभ रही हैं। दोपहर 12 बजे के बाद धूप की तपिश तेज होने से सड़कों पर आवागमन में कमी आ जा रही है। शनिवार को न्यूनतम पारा 22 डिग्री तो अधिकतम 37 डिग्री दर्ज किया गया जबकि रविवार को एक डिग्री के बढ़ोत्तरी के अनुमान लगाए जा रहे हैं। मौसम विभाग का मानना है कि अब गर्मी लू में तब्दील हो गई है। एक सप्ताह तक इससे राहत की कोई उम्मीद दिखाई नहीं पड़ रही है। ऐसे में लोगों को घरों से बाहर निकलने में सावधानी बरतनी होगी। अगले सप्ताह में पारा के 42 से 43 डिग्री पहुंचने के आसार बलवती हैं। तीखी धूप के चलते दोपहर में ही सड़कों पर सन्नाटा पसर जा रहा है। बंद गाड़ियों से ही लोग दोपहर में निकल रहे हैं। चिलचिलाती धूप में लोग अब सुबह-शाम ही बाहर निकलने में भलाई समझ रहे हैं। मौसम वैज्ञानिक आरके सिंह ने बताया कि तेज धूप के साथ लू चल रही है। वर्तमान में तापमान 38 से 39 डिग्री पहुंच गया है। एक सप्ताह तक तापमान से राहत के कोई आसार नहीं है। लोग गर्मी से बचाव करते हुए घरों से बाहर निकलें और शरीर को ढककर रखें। पानी का सेवन अधिक से अधिक करें। ऊधमसिंह नगर में गर्मी और तेज धूप में तरबूज-खरबूज, ककड़ी व नीबू पानी की डिमांड बढ़ गई है। जगह-जगह सड़क किनारे ठेलों पर तरबूज-खरबूज की दुकानें सज गई हैं।

पैरामिलिट्री व पुलिस के पहरे में रहेंगी ईवीएम मशीनें : एसएसपी

हल्द्वानी। प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में कैद होने के बाद अब ईवीएम की सुरक्षा की जिम्मेदारी बढ़ चुकी है। पुलिस व प्रशासन ने इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारी की हैं। एमबीपीजी कालेज के स्ट्रांग रूम में रखी ईवीएम की सुरक्षा के लिए पैरामिलिट्री, पीएसी व पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। सीसीटीवी के माध्यम से आनलाइन निगरानी होगी। एसएसपी पीएन मीणा का कहना है कि जिले में चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। कहीं से कोई शिकायत नहीं मिली। पुलिस व फोर्स को हर स्थिति से निपटने के निर्देश दिए गए थे। सर्किल अधिकारी व एसपी क्षेत्रों का भ्रमण कर रहे थे। मैंने स्वयं नैनीताल, हल्द्वानी, बनभूलपुरा से लेकर रामनगर व कालाढूंगी तक संवेदनशील केंद्रों का निरीक्षण किया। सबकुछ ओके मिला। चुनाव को संपन्न कराने में सिपाही से लेकर दारोगा समेत सभी जवानों का योगदान रहा। पैरामिलिट्री फोर्स भी मुस्तैद रही। ईवीएम की सुरक्षा के लिए पैरामिलिट्री फोर्स व पुलिस तैनात रहेगी। दो लेयर में सुरक्षा घेरा है। शनिवार को ही स्ट्रांग रूम को सील किया जाएगा, क्योंकि कुछ दूरस्थ क्षेत्र की पोलिंग पार्टियां देर रात तक पहुंचेंगी।

ईवीएम स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के कड़े इंतजाम

चमोली। चमोली पुलिस प्रशासन द्वारा ईवीएम स्ट्रांग रूम की सुरक्षा हेतु कड़े इंतजाम किये गए हैं । लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत दिनाँक 19.04.2024 को संपन्न हुई मतदान प्रक्रिया के पश्चात पोलिंग पार्टियों द्वारा ईवीएम मशीनों को त्रिस्तरीय कडी सुरक्षा के बीच राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्थापित स्ट्रांग रुम में रखा गया है। ईवीएम मशीनों की त्रिस्तरीय सुरक्षा हेतु तीन कोर्डन बनाये गये है जिसमें प्रथम कार्डन में आईटीबीपी , द्वितीय कार्डन में पीएसी व तृतीय कार्डन में जिला पुलिस नियुक्त रहेगी। सुरक्षा के दृष्टिगत सीसीटीवी कैमरे भी लगाये गये है। स्ट्रांग रुम की सुरक्षा कि लिए अधिकारी प्रत्येक दिन सुरक्षा व्यवस्था का जायजा भी लेंगे।

उत्तराखंड मे एक बार फिर नहीं बन सका 'रिकॉर्ड'

अधूरा रह गया 75% मतदान का सपना, सूरज के चढ़ने के साथ ही लड़खड़ाया मतदान का ग्राफ
निर्वाचन आयोग को नहीं मिला प्रत्याशियों का साथ, कम मतदान की अनेक वजह आई सामने

–अर्श –

रूद्रपुर। सूबे में बीते रोज लोकसभा की पांचो सीटों पर संपन्न हुए मतदान को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने 75% मतदान का लक्ष्य निर्धारित किया था ,लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद निर्वाचन आयोग का यह है सपना अधूरा रह गया और उत्तराखंड एक बार फिर एक रिकॉर्ड अपने नाम करने से काफी पीछे रह गया। हालांकि सुबह नौ बजे तक ऐसा लग रहा था कि उत्तराखंड का मतदान का प्रतिशत अबकी बार नए आयाम छूएगा, मगर सूरज चढ़ने के साथ ही मतदान का ग्राफ ढलान पर आता गया। बताना होगा कि राज्य गठन के बाद उत्तराखंड में विधानसभा या लोकसभा चुनाव के किसी भी चुनाव में मतदान 70 प्रतिशत के पार नहीं पहुंच पाया है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के आंकड़ों पर दृष्टिपात करें तो उत्तराखंड में मतदान का प्रतिशत राष्ट्रीय औसत से 5.90 प्रतिशत कम रहा था, जबकि 2014 के चुनाव की तुलना में मतदान प्रतिशत में अच्छी खासी बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। वहीं, 2022 के विधानसभा चुनाव में कुल 65।37 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था, जो 2017 के विधानसभा चुनाव के मतदान प्रतिशत 65.56 से कम था।यद्यपि लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व में शत प्रतिशत मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर निर्वाचन आयोग ने पूरा फोकस किया था और इसके लिए आयोग द्वारा विभिन्न प्रकार के मतदाता जागरूकता अभियान भी चलाए गए ,लेकिन अपेक्षित लक्ष्य न हासिल

किया जा सका। निर्धारित लक्ष्य से पीछे रह जाने की वैसे तो कई वजह है निकल कर सामने आ रही हैं पर मुख्य रूप से ऐसा जान पड़ता है जैसे चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों ने अपने-अपने शत प्रतिशत मतदाताओं को घर से निकाल कर मतदान स्थल तक पहुंचने में कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाई । मतदान के आरंभ होने के तकरीबन 2 घंटे बाद तक तो राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता इस दिशा में सक्रिय नजर आए लेकिन पारा चढ़ने के साथ ही उनका उत्साह ठंडा पड़ता नजर आया। साथ ही इस बार के चुनाव प्रचार में पहले वाला जोशोखरोस भी नजर नहीं आया। राजनीतिक दलों के जो कार्यकर्ता पहले घर-घर मतदाता पर्ची बांटते थे वह इस बार सोशल मीडिया पर अपनी नेतागिरी चमकाते अधिक दिखाई दिए। चुनावी रणभूमि में सक्रिय योगदान न देने के कारण उनका मतदाताओं से सीधा संपर्क नहीं हो सका और इस कारण भी मतदाता घर से बाहर नहीं निकला। इसके अलावा बीते रोज शादियां भी अधिक थी। काफी मतदाता शादियों की व्यवस्थाओं में व्यस्त रहे और कुछ मतदाता बारात में सम्मिलित होने अपने शहरों से बाहर चले गए। इस वजह से भी मतदान के दर में कमी आई। अबकी बार मतदान के मौके पर मौसम ने भी अपने सख्त तेवर दिखाए। दोपहर के पहले ही सूरज आग उगलने पर आमादा हो गया। जिस कारण मतदाताओं ने चिलचिलाती धूप में घर से बाहर निकालने की तकलीफ नहीं उठाई। साथ ही चुनाव के दिवस और वीकेंड की दो छुट्टियां को मिलाकर इस सप्ताह तीन छुट्टियां एक साथ मिल गई और अनेक घुम्मकड़ी की शौकीन मतदाता वीकेंड एंजॉय करने शहर से बाहर चले गए। यह भी मतदान में कमी की एक वजह बना। इसके अतिरिक्त प्रदेश में इस बार मतदान के बहिष्कार का ऐलान करने वाले ,पिछले चुनाव की अपेक्षा अधिक सक्रिय रहे ।जिसका नतीजा यह हुआ कि राज्य में अनेक मतदान केंद्र पूरी तरह मतदाता विहीन रहे। इस तरह मतदाताओं का मतदान केंद्र पहुंचने से इस तरह का परहेज भी राज्य में मतदान का प्रतिशत कम करने की एक प्रमुख वजह बना।

सांप के काटने से बच्चे की मौत

सितारगंज (उद संवाददाता)। सांप के काटने से बच्चे की मौत हो गई है। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। नानकमत्ता क्षेत्र के ग्राम मटिहा निवासी 5 वर्षीय राजवीर सिंह शनिवार को घर के पास खेल रहा था। तभी अचानक उसके सांप ने काट लिया। परिजन राजवीर सिंह को सरकारी अस्पताल लेकर आए। यहां डॉक्टर रविंद्र सिंह ने बच्चों को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के परिजनों से जानकारी ली। घटना से परिजनों गमगीन हो गये है।

देवप्रयाग में सबसे कम मतदान

देहरादून। अल्मोड़ा में चंपावत सीट पर सबसे अधिक और सल्ट में सबसे कम मतदान हुआ। टिहरी गढ़वाल सीट पर विकासनगर में सबसे अधिक और प्रतापनगर में सबसे कम, नैनीताल-यूएसनगर सीट पर सितारगंज में सबसे अधिक और भीमताल में सबसे कम, गढ़वाल में रामनगर में सबसे अधिक और देवप्रयाग में सबसे कम मतदान हुआ। इस कम और ज्यादा मतदान से किसको नफा होगा और कौन नुकसान झेलेगा यह चार जून को मतगणना के बात पता चलेगा।

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-
विजय आयुर्वेद क्लीनिक
पंचकर्म सेन्टर
निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षो का अनुभवः-
पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार, निःसन्तान स्त्री-पुरुष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, शक्राणुओं की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द, किडनी रोग (डायलिसिस से पहले) लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।
DR. VIJAY PRAKASH MISHRA
M.D. (Ayurveda)
Mob.: 9410897970
DR. ASHWINI MISHRA
M.D. (Ayurveda)
स्त्री एवं त्वचा रोग
मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)
होटल राजश्री के सामने, गली नं० 2, डॉक्टर्स कालोनी
डी 1 डी 2 सिविल लाईन, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरूनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

जय श्री राम जय श्री बालाजी जय श्री राम
श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में स्वर्ण चोला श्रृंगार, छप्पन भोग, विशाल भंडारा एवं भव्य
श्री बालाजी दरबार
दिनांकः श्री बालाजी मंदिर, दिनेशपुर
दिनांकः 23 अप्रैल, दिनः मंगलवार, प्रातः 10 बजे से
निवेदक- राजेन्द्र, महंत श्री बालाजी मण्डल रजि0, दिनेशपुर

रेरा एप्रूव्ड कालोनी
30 से 60 तक चौड़ी सड़कें,
बड़े-बडे पार्क, गेट बंद कालोनी
90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा,
सीवरेज, स्ट्रीट लाईट
डायनामिक गार्डन सिटी
तोमर कंस्ट्रक्शन
श्री राधा स्वामी सत्संग घर गेट नं. 7 के सामने किच्छा रोड, रूद्रपुर
मोबा. 9557222289, 7088169159
100 से 400 गज तक के प्लाट
100, 160, 200 गज विला
खरीदने व बेचने हेतु सम्पर्क करें।

अल्मोड़ा और पौड़ी सीट पर हुआ कम मतदान

देहरादून(उद ब्यूरो)। प्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान हो चुका है। इस बार पिछले बार के मुकाबले प्रदेश में मतदान प्रतिशत कम है। टिहरी, हरिद्वार और गढ़वाल सीट के मतदान प्रतिशात की बात करें तो गढ़वाल लोकसभा सीट पर करीब 50.84 फीसदी, टिहरी लोकसभा सीट पर 52.57 फीसदी और हरिद्वार सीट पर करीब 62.36 फीसदी मतदान हुआ है। टिहरी सीट पर निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के मुताबिक इस बार करीब 52.57 फीसदी मतदान हुआ है। अभी तक अंतिम आंकड़ें आना बाकी है। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए नैनीताल में 61.35% मतदान अल्मोड़ा में 46.94% मतदान हरिद्वार 62.46% मतदान टिहरी 52.57 % मतदान पौड़ी 50.84 % मतदान हुआ है। 2019 के लोकसभा चुनाव में 58.01 प्रतिशत वोट पड़े थे। पिछली बार के मुकाबले इस लोकसभा चुनावों में कम वोटिंग हुई है। बता दें कि अभी आंतिम आंकड़े आना बाकी है। अल्मोड़ा लोकसभा सीट इस बार लोकसभा चुनावों में कम वोटिंग हुई। अल्मोड़ा लोकसभा सीट पर करीब 45.17 प्रतिशत मतदान हुआ। पिछली बार साल 2019 में अल्मोड़ा सीट पर 52.31 प्रतिशत मतदान हुआ था। बता दें कि इससे पहले अल्मोड़ा सीट पर इस से कम मतदान 25 साल पहले 1999 के लोकसभा चुनावों में हुआ था। लोकसभा चुनाव में इस बार हरिद्वार को छोड़ शेष सभी लोकसभा सीटों पर कोई न कोई क्षेत्र ऐसा रहा, जहां सिस्टम से नाराज मतदाताओं ने मतदान केंद्रों से दूरी बनाई रखी। मुख्य राज्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने नाराज ग्रामीणों को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए विशेष रूप से प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया था। कुछ क्षेत्रों में अधिकारी मतदाताओं को समझाने में

जरूर कामयाब रहे। मतदाताओं की नाराजगी का मुख्य कारण गांवों तक सड़क का न पहुंचना रहा। शुक्रवार को मतदान के दौरान ग्रामीणों की नाराजगी भी देखने को मिली। अल्मोड़ा संसदीय सीट के रानीखेत में सुनियाकोट गांव के मतदाता मतदान केंद्र तक नहीं पहुंचे। गांव को सड़क सुविधा न मिलने से नाराज ग्रामीणों ने पहले ही चुनाव में हिस्सा न लेने का ऐलान कर दिया था। बागेश्वर जिले के मटियोली गांव में में रोड नहीं तो वोट नहीं का नारा मतदान के दिन भी जारी रहा। यहां भी मतदाता मतदान केंद्र तक नहीं पहुंचे। पिथौरागढ़ जिले के धारचूला विस क्षेत्र के अंतर्गत साईपोलू बूथ के ग्रामीणों ने भी सड़क सुविधा की मांग पूरी न होने पर मतदान से दूरी बनाए रखी। गढ़वाल संसदीय सीट पर रुद्रप्रयाग जिले के इशाला गांव के ग्रामीण भी मतदान से दूर रहे। पौड़ी जिले के पोखड़ा प्रखंड के ग्राम ड्वीला के ग्रामीणों ने भी सड़क की मांग को लेकर चुनाव से दूरी बनाई। यहां के मतदान केंद्र पर पर मात्र एक मत पड़ा। विकासखंड एकेश्वर में भी नगरोली, घटगड़, बग्याली, नावा व किमोला के पांच गांव के के ग्रामीणों ने भी मतदान से दूरी बनाने का निर्णय लिया था। यहां 660 में से केवल 78 ग्रामीण मतदान को गए। पौड़ी जिले के रिखणीखाल के ग्राम बनगढ़ के ग्रामीणों ने भी चुनाव से दूरी बनाने का निर्णय लिया था। यद्यपि प्रशासन के मनाने के बाद ग्रामीणों ने अपने मत का प्रयोग किया। चमोली जिले के गंणाई, पाणा, ईराणी, संकड़, पंडाव, देवराड़ा, पिनाऊ में भी ग्रामीणों ने मतदान से दूरी बनाए रखे। सबसे दूरस्थ मतदान केंद्र डुमक में भी सड़क न बनने से मतदाता नाराज थे। यद्यपि इन्हें मना लिया गया। यमकेश्वर ब्लाक की ग्राम सभा गंगा भोगपुर के ग्रामीण भी मतदान से दूर रहे। इनकी नाराजगी सड़क व बुनियादी सुविधा न होना रहा। बहाल करना रही। टिहरी गढ़वाल सीट में चकराता के मिंडाल, बनियाना, खनाड़, मंझगांव, जोगिया व थणता के ग्रामीणों ने भी बदहाल सड़क पर नाराजगी जताते हुए मतदान से दूरी बनाए रखी। देहरादून के क्यारा गांव में भी सड़क की मांग को लेकर ग्रामीण मतदान से दूर रहे। मसूरी के कफलानी में भी मतदाता मतदान केंद्र तक नहीं पहुंचे।

हरिद्वार लोकसभा सीट के आकड़े: भगवानपुर 69.58 रानीपुर 60.00 धर्मपुर 51.80 डोईवाला 57.45 हरिद्वार 54.84 हरिद्वार ग्रामीण 73.21 झबरेड़ा 67.00 ज्वालापुर 69.50 खानपुर 68.45 लक्सर 72.00 मंगलोर 63.20 पिरान क्लीयर 70.01 ऋषिकेश 51.80 रुड़की विधानसभा क्षेत्र में 59.40 प्रतिशत ।

नैनीताल लोकसभा सीट के आंकड़े : बाजपुर 61.46 भीमताल 55.50 गदरपुर 67.92 हल्द्वानी 58.50 जसपुर 63.07 कालाढूंगी 60.00 काशीपुर 56.70 खटीमा 64.50 किच्छा 62.50 लालकुआं 60.50 नैनीताल 51.67 नानकमत्ता 65.71 रुद्रपुर 60.50 सितारगंज 70.15 प्रतिशत ।

टिहरी गढ़वाल लोकसभा सीट के आंकड़े : कैंट 50.23 धनोल्टी 45.26 गंगोत्री 54.00 घनसाली 41.50 मसूरी 53.00 प्रताप नगर 41.65 पुरोला 57.50 रायपुर 54.01 राजपुर रोड 49.38 सहसपुर 62.12 टिहरी 44.16 विकास नगर विधासभा 64.70 यमुनोत्री विस क्षेत्र में 52.72 प्रतिशत ।

पौड़ी लोकसभा सीट के आकड़े : बद्रीनाथ 55.63 चौबाटाखाल 40.62 देवप्रयाग 41.78 कर्णप्रयाग 52.37 केदारनाथ 56.70 कोटद्वार 58.50 लैंसडाउन 40.10 नरेंद्र नगर 48.00 पौड़ी 46.65 रामनगर 61.60 रुद्रप्रयाग 53.02 श्रीनगर 53.01 थराली 50.89 यमकेश्वर 43.20 प्रतिशत ।

अल्मोड़ा लोकसभा सीट के आंकड़े: अल्मोड़ा 44.00 बागेश्वर 51.00 चंपावत 56.00 धारचूला 48.70 डीडीहाट 49.20 द्वाराहाट 45.30 गंगोलीहाट46.00 जागेश्वर45.25 कपकोट 51.43 लोहाघाट 46.22 पिथौरागढ़ 50.32 रानीखेत41.50 सल्ट 32.00 सोमेश्वर 48.18 प्रतिशत ।

स्ट्रांग रूम में ईवीएम मशीनों की 24 घंटे निगरानी, सुरक्षा बल तैनात

पोलिंग पार्टियों की वापसी का सिलसिला जारी, मतदान का प्रतिशत 57.23 पहुंचा

देहरादून/रूद्रपुर/पिथौरागढ़ (उद संवाददाता)। प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में मतदान संपन्न कराने के बाद जैसे-जैसे पोलिंग पार्टियां वापस लौट रही हैं, वैसे-वैसे मतदान की तस्वीर भी साफ होती जा रही है। शनिवार रात 12 बजे तक भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त सूचना के अनुसार प्रदेश में अनुमानित मतदान प्रतिशत 57.23 रहा। अल्मोड़ा में 48.78 प्रतिशत, गढ़वाल में 52.42 प्रतिशत, हरिद्वार में 63.53 प्रतिशत, नैनीताल-ऊधम सिंह नगर में 62.47 प्रतिशत और टिहरी गढ़वाल में 53.76 प्रतिशत मतदान हुआ। पांचों सीटों पर मतदान 58 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। प्रदेश में शुक्रवार को हुए मतदान के दौरान प्रारंभिक सूचना के अनुसार प्रदेश में 55.89 प्रतिशत मतदान रहा था। वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार मतदान लगभग 4.5 प्रतिशत कम है। इसमें शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत कम नजर आया है। अंतिम पोलिंग पार्टी के आने के बाद ही मतदान की सही तस्वीर सामने आएगी। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे ने कहा कि प्रदेश में 27139 कार्मिकों व पुलिस कर्मियों ने डाक मतपत्र के जरिये मतदान किया है। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि 12 हजार 670 ऐसे मतदाताओं ने

पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान किया है, जो 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता, दिव्यांग मतदाता और आवश्यक सेवा वाले विभागों से जुड़े कार्मिक हैं। राज्य में 93 हजार 187 सर्विस वोटर भी हैं। उन्होंने कहा कि जिन सर्विस वोटरों के मतगणना दिवस तक प्रातः 08 बजे तक डाक मतपत्र आरओ तक पहुंच जाएंगे, उन सभी को मतगणना में शामिल किया जाएगा। अभी तक 3377 सर्विस वोटरों के डाक मतपत्र संबंधित जिला मुख्यालयों तक पहुंच चुके हैं। वहीं दूसरी तरफ चुनाव संपन्न कराने के बाद पोलिंग पार्टियों ने ईवीएम, वीवीपैट मशीन और अन्य मतदान सामग्री जिला मुख्यालय के आईटीआई में बने स्ट्रांग रूम में जमा करा दी हैं। चार जून मतगणना तक स्ट्रांग रूम की सुरक्षा सेना, पुलिस बल के जिम्मे रहेगी। निर्विघ्न और सकुशल चुनाव संपन्न होने पर डीएम/जिला निर्वाचन अधिकारी मयूर दीक्षित ने एआरओ, जोनल, सेक्टर, मतदान कार्मिकों, पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों के जवानों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि बीती सायं को मौसम खराब होने से पोलिंग पार्टियों के पहुंचने में दिक्कत हुई। बावजूद इसके वाहन संचालन करने वालो चालक और परिचालकों ने कुशलता से सभी वाहनों को गंतव्य तक पहुंचता है। बताया कि पोलिंग पार्टियों के पहुंचने का सिलसिला शाम 6 बजे से शुरू हुआ जो शनिवार तड़के 3 बजे तक चलता रहा। दूरस्थ नैनबाग, नरेंद्रनगर क्षेत्र के पोलिंग पार्टियां सबसे देर में यहां पहुंची। डीएम ने बताया कि सभी ईवीएम, वीवीपैट मशीन स्ट्रॉग रूम में प्रेक्षक और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के देखरेख जमा कर दी गई हैं। 4 जून मतगणना तक स्ट्रांग रूम की सुरक्षा अब सेना, पुलिस बल के ट्रिपल लेयर में रहेगी। इस मौके पर एसएसपी नवनीत सिंह, सीडीओ डॉ.अभिषेक त्रिपाठी, एडीएम केके मिश्रा, एएसपी जेआर जोशी, एआरओ देवेंद्र नेगी, संदीप कुमार, सहायक निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र सिंह अधिकारी मौजूद थे।

पिथौरागढ़- लोकसभा चुनाव के लिए पहले चरण की मतदान प्रक्रिया के पश्चात पोलिंग पार्टियों द्वारा विभिन्न मतदान केंद्रों से ईवीएम मशीनों को लाकर एलएसएम पीजी कॉलेज पिथौरागढ़ में बने स्ट्रांग रूम में जमा किया जा रहा है। जिलाधिकारी पिथौरागढ़, श्रीमती रीना जोशी एवं पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़, श्रीमती रेखा यादव द्वारा डिग्री कॉलेज में जाकर ईवीएम मशीनों के जमा करने हेतु की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। स्ट्रांग रूम में किसी भी बाहरी व्यक्ति का आवागमन पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित है तथा स्ट्रांग रुम के आस-पास के क्षेत्र की सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से 24 घण्टे निगरानी की जा रही है। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा हेतु इनर कार्डन में अर्धसैनिक बल तथा आउटर कार्डन में पीएसी व आर्म्ड पुलिस बल के साथ समुचित संख्या में स्थानीय नागरिक पुलिस बल को भी नियुक्त किया गया है। **रूद्रपुर**-जनपद ऊधम सिंह नगर में मतदान की प्रक्रिया पूरी कर कड़ी सुरक्षा में ईवीएम मशीनों को स्ट्रांग रूम में रखा गया है । जनपद ऊधम सिंह नगर में चुनाव शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न होने के बाद पोलिंग पार्टियों का स्ट्रांग रूम में लौटने का सिलसिला लगातार जार है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा. मंजूनाथ टीसी ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी सभी गाइड लाइन का पालन किया जा रहा है। स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, त्रिस्तरीय सुरक्षा (03 लेयर) में स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा की जा रही है। स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा में 02 राजपत्रित अधिकारी, 02 निरीक्षक, 06 उपनिरीक्षक, 30 कर्मचारी जिला पुलिस शस्त्र, 01 प्लाटून सीएपीएफ व 01 प्लाटून पीएसी एवम फायर सर्विस के अतिरिक्त अभिसूचना, वायरलेस शाखा से पर्याप्त अधिकारी/कर्मचारियों को तैनात किया गया है।

वनाग्नि रोकने के लिए फील्ड पर उतरने की जरूरत : सीएम

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को शासकीय आवास पर वनाग्नि की रोकथाम के लिए की जा रही तैयारियों के संबध में अधिकारियों के साथ बैठक की। सीएम ने इस दौरान वनाग्नि रोकने के लिए

दावानल की घटनाओं से प्रभावित जनपदों में जल्द ही नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाने के निर्देश दिए। दावानल की घटनाओं को रोकने के लिए बारिश पर ही निर्भर नहीं रहा जा सकता है, इसके लिए दीर्घकालीन योजना तैयार करने के साथ ही फील्ड पर उतरने की जरूरत है। अधिकारियों को निर्देशित किया कि जंगल में लगने वाली आग पर काबू पाने के लिए राजस्व पुलिस के साथ महिला मंगल दल, युवक मंगल दल, स्वयं सहायता समूहों एवं आपदा मित्रों का भी सहयोग लिया जाए।

उत्तराखंड पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों का घर

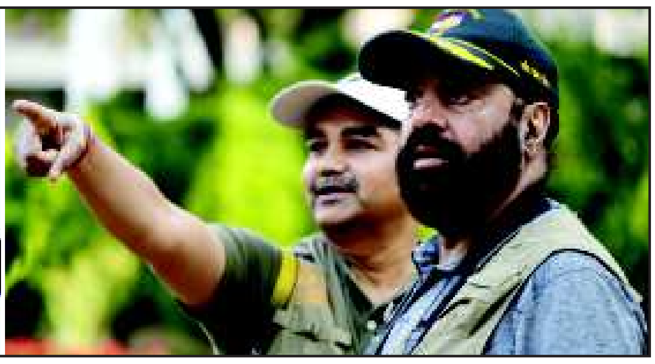

देहरादून (उद संवाददाता)। जैव विविधता से भरपूर उत्तराखंड में पक्षियों का एक अलग संसार बसता है। यहां पर विभिन्न प्रकार की पक्षियों की प्रजातियां पायी जाती हैं। वहीं राजभवन देहरादून एवं इसके आस-पास के क्षेत्र में भी पक्षियों की लगभग 180 से अधिक प्रजातियां देखने को मिलती हैं। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शनिवार प्रातः राजभवन परिसर में बर्ड वॉचिंग की। इस दौरान पीसीसी एएफ डॉ. धनंजय मोहन और निदेशक राजाजी पार्क, साकेत बड़ोला मौजूद रहे। बर्ड वाचिंग के दौरान उन्होंने कई पक्षियों का देखा जिनमें ओरियंटल पाइड-हॉर्नबिल, मैग्पी-रोबिन, बुलबुल, ग्रे ट्रैपी, एलक्जेंडरिन पैराकीट, वुडपैकर आदि प्रजातियां थी। उन्होंने कहा कि पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों को देखकर एक अलग ही आनंद की अनुभूति हुई है। राज्यपाल ने कहा कि पक्षियों की अलग-अलग चहचहाहट और क्रियाकलाप मन को प्रफुल्लित और आकर्षित करने वाला रहा। उन्होंने कहा कि अन्य स्थानों पर जहां पक्षियों के दीदार मौसम पर निर्भर है, इस परिसर में वर्ष भर पक्षियों का बसेरा रहता है। पक्षियों की अविश्वसनीय विविधता से समृद्ध, उत्तराखंड पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों का घर है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के अनमोल खजाने से परिपूर्ण देवभूमि उत्तराखंड की जैव विविधता अलग ही है जिसका प्रचार-प्रसार किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि लोगों को इसके लिए जागरूक किया जाना आवश्यक है ताकि यहां की जैव विविधता की जानकारी पूरे देश और दुनिया में हो सके।

जिला चिकित्सालय में सीएमएस के खिलाफ आक्रोश

मेडिकल स्टाफ के उत्पीड़न को लेकर मामले की जांच के लिए सीडीओ के आश्वासन पर माने चिकित्सक

बागेश्वर(उद संवाददाता)। जिला चिकित्सालय में चिकित्सा अधीक्षक की कार्यशैली से नाराज चिकित्सकों ने शनिवार को सीएमएस के विरुद्ध नाराजगी जताते हुए कार्य बहिष्कार किया तथा सीएमएस डॉ विनोद टम्टा का घेराव किया। उनका आरोप है कि सीएमएस द्वारा मैडिकल व पैरा मैडिकल स्टाफ का उत्पीड़न किया जा रहा है। उन्होंने सीएमएस को ज्ञापन सौंपा तथा कार्य व्यवहार में परिवर्तन लाने की मांग की। बाद में सीडीओ द्वारा जांच करके कार्रवाई के आश्वासन के बाद चिकित्सक शांत हुए। शनिवार को जिला चिकित्सालय के चिकित्सक व अन्य स्टाफ ने सीएमएस डॉ. विनोद टम्टा के खिलाफ नारेबाजी की। कहा कि सीएमएस द्वारा वरिष्ठ चिकित्सकों का उत्पीड़न किया जा रहा है। आरोप लगाया कि चिकित्सालय में लगे कैमरे का दुरूपयोग किया जा रहा है तथा कैमरों के संचालन अस्पताल में तैनात चहेते कर्मी संचालन रविंद्र अवस्थी द्वारा किया जा रहा है उन्होंने कहा कि

अवस्थी द्वारा चिकित्सकों के कार्य में हस्तक्षेप किया जा रहा है। आरोप लगाया कि अकारण ही कई चिकित्सकों व स्टाफ का वेतन रोका जा रहा है जिससे उनका उत्पीड़न हो रहा है उन्होंने रूका हुआ वेतन दिए जाने की मांग की।वही रात्रि में सीएमएस द्वारा शराब पीकर अस्पताल का निरीक्षण करने,एवं चिकित्सको एवं अस्पताल कर्मियों मेंभय एवं असंतोश का माहौल बन जाने,जबरन कार्यशैली में अनावश्यक सख्ती करनेसे चिकित्सको और कर्मचारियों का मनोबल कमजोर होने,की शिकायत पर प्रांतीय चिकित्सा संघ ने नाराजगी जताई है। चिकित्सकों ने मांग की कि तीन चिकित्सकों की कमेटी बनाई जाय जो कि वित्त के अलावा अन्य मामलों में सहमति प्रदान करे इसके बाद ही कार्यवाही की जाय। इस दौरान पीएमएस संघ के अध्यक्ष डा गिरजा शंकर जोशी, डा राजीव उपाध्याय, डॉ. रीमा उपाध्याय,डा डीपी शुक्ला, फिजिशियन डॉ चंद्रमोहन भैसोड़ा,डॉ जितेश कुमार, डा गुंजन, सहित अस्पताल में तैनात चिकित्सक, स्टाफ नर्स, और अन्य चिकित्सकऔर कर्मचारी उपस्थित थे। बाद में मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी ने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी जांच के लिए सीएमओ अनुपमा हयांकी व अपर मुख्य चिकित्साधिकारी देवेश चौहान को आदेश दिए गए हैं।

फैंसी ड्रेस में मरीजों को देखते हैं चिकित्सक!

सीएमएस ने लगाए गए आरोपो को बताया निराधार

बागेश्वर(उद संवाददाता)। चिकित्सकों द्वारा सीएमएस का घेराव करने के बाद सीएमएस डा विनोद टम्टा ने लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है। कहा कि उनके द्वारा शालीनता से कार्य करने व अपनी डयूटी पर रहने को कहा जा रहा है। कहा कि मेरा प्रयास है कि मरीजों को अस्पताल से ही दवाइयां मिलें तथा उनको परीक्षण हेतु बाहरी लैबों में न जाना पड़े। मरीजो को सरकार द्वारा दी जा रही सभी सुविधाओं का लाभ मिले इसके लिए सभी चिकित्सको को मरीजो को अस्पताल में मौजूद सुविधाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए हैं। घेराव के बाद डा विनोद टम्टा ने कहा कि उनके द्वारा सभी स्टाफ से अपने ड्रेस कोड में रहने व शालीनता के कपड़े पहनने के आदेश दिए परंतु कुछ चिकित्सक फैंसी डेस में मरीजों को देखते हैं। जिस पर उनको नियमों का पालन करने को कहा गया। इसके अलावा एक महिला चिकित्सक बिना सूचना के अवकाश में चली गई तथा अपना स्विच आफ किया गया जिस पर उसका स्पष्टीकरण लिया गया है जबकि जिलाधिकारी व चुनाव आयोग के निर्देशानुसार किसी भी अधिकारी व कर्मचारी को बिना जिला निर्वाचन अधिकारी के अवकाश न देने के आदेश दिए गए थे। इसके अलावा एक अन्य चिकित्सक के इमरजेंसी डयूटी से गायब रहने पर कई बार समझाया इसके बाद भी कार्यप्रणाली में सुधार नहीं किया गया। जिस पर उसका स्पष्टीकरण लिया गया। सीएमएस ने कहा कि उनके द्वारा समय समय पर चिकित्सकें को मरीजों को बाहर की दवाइयां न लिखने तथा बाहर से रक्त व अन्य परीक्षण न कराने के निर्देश दिए जाते रहे हैं जिसे वे पचा नहीं पा रहे हैं तथा अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच की जाय तो स्थिति साफ होगी। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि चिकित्सालय में मरीजों को हरसंभव सुविधा मिले तथा अनुशासन बना रहे। अस्पताल में सभी को नियमबद्ध होकर अनुशासित होकर कार्य करने की अपील की गई है।

तो क्या चुनाव में नंबर बढ़ाने के लिए खोला गया था आरओबी?

काशीपुर में रेलवे ओवर ब्रिज बना जी का जंजाल

काशीपुर(उद संवाददाता)। लोकसभा चुनाव के मतदान की तिथि नजदीक आते ही बाजपुर रोड स्थित रेलवे ओवरब्रिज के उद्घाटन की तिथि का ऐलान कर दिया गया। 15 अप्रैल को जनप्रतिनिधियों ने प्रशासनिक अधिकारियों को साथ लेकर बाजपुर रोड पर आधे अधूरे तैयार रेलवे ओवर ब्रिज को हल्के वाहनों के लिए खोल दिया। आरओबी को खोले जाने से क्षेत्रीय जनता में उत्साह देखा जा रहा था लेकिन इसी बीच मतदान के दूसरे दिन रेलवे ओवरब्रिज को पूर्व की भांति बंद कर दिया गया। क्षेत्र में इस बात को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है कि यदि निर्माण कार्य अधूरा था तो फिर बाजपुर रोड पर बने रेलवे ओवरब्रिज को जल्दबाजी में खोलने की आखिर क्या जरूरत पड़ गई। आरओबी पर चार पहिया वाहन भी नहीं चले। चर्चाओं का बाजार गर्म है कि लोकसभा चुनाव में अपना नंबर बढ़ाने के लिए रेलवे ओवर ब्रिज को जल्दबाजी में खोलकर जनता की भावनाओं से खिलवाड़ किया गया। ज्ञातव्य है कि शहर की चरमराई यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने की नीयत से लगभग 7 वर्ष पूर्व फ्लाई ओवर का मंसूबा तैयार किया गया। रामनगर रोड बाजपुर रोड तथा एमपी चौक पर निर्माण होने वाले ओवरब्रिज का समय नियत किया गया लेकिन ठेकेदारों की घोर लापरवाही के कारण निर्धारित समय के 4 वर्ष बाद भी रेलवे ओवर ब्रिज बनकर तैयार नहीं हो सका। निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज के कारण जहां एक ओर दर्जनों की तादाद में व्यापारियों का कारोबार चौपट हो गया तो वहीं दूसरी ओर पिछले लगभग 7 सालों से शहर की यातायात व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित है। बरसात के दिनों में निर्माण कार्य के चलते स्टेशन रोड एमपी चौक तथा आसपास जल जमाव के कारण फजीहत हो रही है। बाजपुर रोड स्थित रेलवे ओवरब्रिज पर अभी निर्माण कार्य आधा अधूरा है। प्रकाश व्यवस्था के अलावा डेंटिंग पेंटिंग समेत बहुत से कार्य ऐसे हैं जो अभी नहीं किए गए। ऐसा ही कुछ हाल रामनगर रोड रेलवे क्रॉसिंग के समीप तैयार हो रहे ओवर ब्रिज का है। कच्छप गति से चल रहे निर्माण कार्य के कारण हाईवे पर ट्रैफिक को रेंगने की नौबत आ गई है।

26 अप्रैल से लखनऊ के लिए चलेगी ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन

काशीपुर(उद संवाददाता)। लखनऊ जाने वाले लोगों के लिए 26 अप्रैल से शुक्रवार और शनिवार को ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन संचालित होने वाली है। इसके लिए रेलवे की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं। रेलवे के मुताबिक 26 अप्रैल की सुबह करीब 9:15 बजे ट्रेन संख्या 05043 रामनगर से चलकर काशीपुर पहुंचेगी। करीब 9:27 बजे यहां से ट्रेन बाजपुर, लालकुआं, पीलीभीत होते हुए शाम करीब 7:15 बजे लखनऊ पहुंचेगी। वापसी में यही ट्रेन संख्या 05044 बनकर रात करीब 9:15 बजे लखनऊ से चलकर इसी मार्ग से होते हुए अगले दिन सुबह करीब 7:15 बजे रामनगर पहुंचेगी। शनिवार को भी यह ट्रेन अपने निर्धारित समय से संचालित होगी। इसमें स्लीपर, कुर्सीयान, जनरल समेत कुल 15 बोगी लगाई गई है। पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल के पीआरओ राजेंद्र सिंह ने बताया कि ट्रेन संख्या 05043-05044 रामनगर-लखनऊ सप्ताह में दो दिन शुक्रवार और शनिवार को चलेगी। यह स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन 26 अप्रैल से 29 जून तक चलाई जाएगी। इससे लखनऊ आने-जाने वाले यात्रियों को लाभ मिलेगा।

पत्रकार प्रेस परिषद की रानीखेत इकाई का गठन

रानीखेत(उद संवाददाता)। पत्रकार प्रेस परिषद कुमायूं मंडल प्रभारी अशोक गुलाटी की संस्तुति पर रानीखेत इकाई का गठन किया गया। कार्यकारिणी में संदीप पाठक अध्यक्ष, हर्षवर्धन पंत -महामंत्री, अंकित अग्रवाल -महा सचिव, महेश चंद्र जोशी -उपाध्यक्ष ,विनीत चौरसरिया- संगठन मन्त्री,विपिन -मीडिया प्रभारी, अर्चित अग्रवाल -सचिव,अजय पुनेठा-सचिव,हरीश अधिकारी कोषाध्यक्ष चुने गये। रानीखेत ईकाई की कार्यकारिणी गठित होने पर कुमाऊं प्रभारी अशोक गुलाटी ने सभी को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के मार्गदर्शन में पत्रकारिता के इतिहास में पहली बार पत्रकार प्रेस परिषद के सदस्यों को ढाई लाख बीमा के अलावा 50000 हेल्थ बीमा दिया जा रहा है । पत्रकार प्रेस परिषद इंडिया पूरे भारत में एक मात्र संगठन है जो पत्रकारों के हितों के लिए गंभीरता से विचार करता है ।इसका प्रत्यक्ष उदाहरण बीमा के अलावा 'हेल्थ बीमा' योजना दे रहा है। पत्रकार प्रेस परिषद के सदस्य के परिवार भारत में कहीं भी निशुल्क इलाज कर सकते हैं, इसके अलावा कुमाऊं मंडल प्रभारी अशोक गुलाटी ने कहा शीघ्र ही पूरे कुमाऊं मंडल में 25 नई इकाईयों का गठन किया जाएगा। इसमें युवा तेजतर्रार ईमानदार पत्रकारों को प्रमुखता दी जाएगी और सदस्यता अभियान चलााया जाएगा। परिषद में महत्वपूर्ण बात यह है कि पत्रकार किसी भी संगठन से जुड़ा क्यों ना हो आप पत्रकार प्रेस परिषद की सदस्यता ले सकते है। इसके अलावा शीघ्र कुमाऊं मंडल में पत्रकारों का सम्मेलन कियाजाएगा इसमें भी सभी पत्रकार संगठनों को आमंत्रित किया जाएगा । सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य सभी सम्मानित साथियों को एक कड़ी के रूप में एकत्रित होकर पत्रकारों की समस्या उत्पीड़न सहित कई गंभीर मुद्दे पर शासन प्रशासन के समक्ष रखना मुख्य एजेंडा होगा।

विधानसभावार की गयी मतदान की स्क्रूटनी

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। जनपद में शांतिपूर्ण,निष्पक्ष एंव निर्बाध मतदान संपन्न कराने के उपरान्त बगवाड़ा मंडी कक्ष में सामान्य प्रेक्षक गगनदीप सिंह बरार की उपस्थिति में जिला निर्वाचन अधिकारी उदय राज सिंह ने विधानसभावार स्क्रूटनी की । उन्होंने विधानसभावार सबसे अधिक मतदान बूथ व सबसे कम वाले मतदान वाले बूथों की स्क्रूटनी की साथ ही उन्होंने क्रिटिकल व वर्नेबल बूथों की भी रेंडमली स्क्रूटनी की । स्क्रूटनी में सभी बूथों पर मतदान प्रक्रिया सही पाई गई। प्रेक्षक गगनदीप सिंह बरार व जिला निर्वाचन अधिकारी उदय राज सिंह ने शांतिपूर्ण व निर्बाध मतदान संपन्न कराने के लिए सभी सहायक रिटर्निंग ऑफिसरो को बधाई दी। सभी एआरओ द्वारा प्रत्याक्षी प्रतिनिधियों की उपस्थिति में अपने अपने सभी स्ट्रॉन्ग रूम सील किए गए। जिला निर्वाचन अधिकारी उदय राज सिंह ने निष्पक्ष, शांतिपूर्ण तरीके से मतदान कराने के लिए सभी अधिकारियों ,कर्मचारियों ,सुरक्षा कार्मिकों व निर्वाचन की व्यवस्था से जुड़े सभी कार्मिकों को बधाई दी। इस अवसर पर नोडल कार्मिक मनीष कुमार, उप निर्वाचन अधिकारी अशोक कुमार जोशी, एडीएम पंकज उपाध्याय, नगर आयुक्त नरेश दुर्गापाल, नोडल प्रेक्षक बी एस चलाल, एआरओ मनीष बिष्ट, डॉ. अमृता शर्मा, रविंद्र बिष्ट, रविंद्र जुवांठा, गौरव पांडे,गौरव चटवाल, राकेश कुमार तिवारी, कौस्तुभ मिश्र, अभय प्रताप सिंह सहित प्रत्याशी प्रतिनिधि भाजपा प्रमोद मित्तल, कांग्रेस के सौरभ चिलाना,मोहन खेडा, एसपी योगेन्द्र यादव आदि मौजूद थे।

उच्च शिक्षा विभाग में सुगम और दुर्गम के लिए स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू

हल्द्वानी। उच्च शिक्षा विभाग में समूह क में संयुक्त निदेशक, प्राचार्य, उप निदेशक, सहायक उपनिदेशक और असिस्टेंट प्रोफेसर और समूग ख, ग, घ के सभी पदों पर पात्र कार्मिकों की स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू हो गई है। सुगम से दुर्गम और दुर्गम से सुगम कार्यस्थल में अनिवार्य स्थानांतरण के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई है जबकि अनुरोध के आधार पर स्थानांतरण के लिए 30 अप्रैल तक अनुरोध करना अनिवार्य है। उच्च शिक्षा विभाग में सुगम में तीन साल और दुर्गम में चार साल सेवा दे चुके कार्मिक स्थानांतरण के लिए आवेदन करेंगे। समूह क के स्थानांतरण आवेदन पत्र उच्च शिक्षा निदेशालय नवाड़खेड़ा (हल्द्वानी) और समूह ख, ग और घ के सभी पदों के स्थानांतरण आवेदन पत्र संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा क्षेत्रीय कार्यालय दून विवि परिसर देहरादून को उपलब्ध कराएंगे। प्रत्येक संवर्ग या पद में पात्र कार्मिकों के आवेदन मूल प्रति में आवेदक के हस्ताक्षर समेत संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्य और कार्यालय अध्यक्ष की संस्तुति के बाद ही स्वीकार्य किए जाएंगे। स्थानांतरण के लिए निर्धारित आवेदन तिथि के बाद आवेदन पत्र किसी भी दशा में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अनिवार्य एवं अनुरोध श्रेणी के तहत स्थानांतरण के लिए आवेदन पत्र उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। वेबसाइट में अनिवार्य श्रेणी के तहत समूह क के लिए आवेदन प्रपत्र क, समूह ख, ग और घ के लिए आवेदन प्रपत्र ख और अनुरोध के आधार पर स्थानांतरण के लिए प्रपत्र ग में आवेदन किया जाएगा। विभागीय वेबसाइट पर विषयवार रिक्तियों की सूची भी अपलोड की गई है। सभी कार्मिक रिक्त पदों के सापेक्ष ही स्थानांतरण के लिए आवेदन करें। उच्च शिक्षा विभाग ने प्राचार्यों को निर्देश दिए हैं कि स्थानांतरण अधिनियम 2017 के तहत केवल पात्र कार्मिकों के ही आवेदन अग्रसारित करें। प्रशासनिक आधार पर स्थानांतरण के लिए प्रस्ताव साक्ष्य सहित उपलब्ध कराएं जाएंगे। महाविद्यालयों में नियमित रुप से कार्यरत और अन्यत्र संबंध या कार्ययोजित कार्मिकों के संबंध में संलग्न निर्धारित प्रारुप पर अगल से सूचना स्थानांतरण आवेदन पत्रों के साथ उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।

हनुमान जन्मोत्सव पर बन रहा है शुभ मंगलकारी संयोग

चैत्र माह की पूर्णिमा को हनुमान जी का जन्म हुआ था इसलिए इस दिन हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस बार हनुमान जन्मोत्सव 23 अप्रैल को मनाया जायेगा। हनुमान जी श्रीराम के अनन्य भक्त थे और उन्हीं की भक्ति में लीन रहते थे। हनुमान जी की माता अंजना और पिता वानरराज केसरी थे इसलिए इन्हें अंजनी पुत्र और केसरीनंदन भी कहा जाता है। हनुमान जी को भगवान शिव का 11 वां अंश भी कहा जाता है।इसी शुभ दिन पर हनुमान जी का जन्म माता अंजनी की कोख से हुआ था। हनुमान जी के जन्मदिन को जयंती की बजाय जन्मोत्सव कहना उचित होगा, क्योंकि बजरंगबली अमर हैं, और जयंती का प्रयोग उस व्यक्ति के लिए किया जाता है जो अब इस दुनिया में जीवित नहीं है। हनुमान जी ऐसे देवता हैं जिन्हें अगर सच्चे मन से याद किया जाए तो वे हर संकट में भक्तों की रक्षा करते हैं, इसलिए उन्हें संकट मोचन कहा जाता है। आपको बता दें कि इस बार हनुमान जन्मोत्सव पर बेहद शुभ योग बन रहे हैं। खास यह है कि इस बार त्रेता युग की तरह अंजनी पुत्र के जन्म जैसा मंगलकारी संयोग बन रहा है। चैत्र पूर्णिमा पर संकट मोचन का प्रिय दिन मंगलवार रहेगा। ज्योतिष गुरू पंडित अतुल शास्त्री के अनुसार शास्त्रों में राम भक्त का जन्म चौत्र पूर्णिमा को मंगलवार के दिन होना बताया गया है। पूर्णिमा तिथि मंगलवार को सुबह 3.25 से बुधवार प्रात काल 5.18 बजे तक रहेगी। मीन राशि में पंचग्रही योग बन रहा है। मेष राशि में बुधादित्य, कुंभ राशि में शनि शश राजयोग का संयोग बनेगा। योग 23 अप्रैल की सुबह से लेकर 24 अप्रैल को प्रात: 04 बजकर 57 मिनट तक है।चित्रा नक्षत्र भी 23 अप्रैल को सुबह से लेकर रात 10 बजकर 32 मिनट तक है, उसके बाद स्वाति नक्षत्र शुरू हो जाएगा। चित्रा नक्षत्र के स्वामी मंगल हैं और हनुमानजी का प्रिय दिन भी मंगलवार है ।वहीं, वज्र योग साहस, बल और पराक्रम का परिचायक है। ऐसे में मंलगवार के दिन, चित्रा नक्षत्र और वज्र योग में हनुमाजनी का जन्मोत्सव मनाना बड़ा ही शुभ होगा। भक्तों को कई गुना फल मिलेगा।ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री की मानें तो हनुमान जन्मोत्सव पर भद्रावास योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का निर्माण शाम 04 बजकर 25 मिनट तक हो रहा है। इस समय में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी की पूजा करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी। इस दौरान भद्रा पाताल में रहेंगी। भद्रा के पाताल में रहने के दौरान पृथ्वी पर उपस्थित समस्त जीव जंतु एवं मानव जाति का कल्याण होता है। ज्योतिष गुरू पंडित अतुल शास्त्री बता रहे हैं कि इस दिन कौन सा उपाय करके आप भी अपने कष्टों से मुक्ति पा सकते हैं। हनुमान जन्मोत्सव के दिन आपको हनुमान जी के आगे चमेली के तेल का दीपक जलाकर उनके इस दशाक्षर मंत्र का कम से कम एक माला, यानी 108 बार जप करना चाहिए। इस दिन इस मंत्र का जप करने से आपको विद्या और धन की प्राप्ति होगी। नौकरी में आपको अच्छे पद की प्राप्ति होगी। साथ ही विरोधियों से आपको छुटकारा मिलेगा।हनुमान जन्मोत्सव के दिन सुंदरकांड का पाठ करना चाहिए। ऐसा करने से आपको शनि दोष से छुटकारा मिल सकता है। ज्योतिष गुरू पंडित अतुल शास्त्री जी बताते है कि हनुमान जी को सिंदूर बेहद प्रिय है। ऐसे में शनि दोष और जीवन में चल रही सभी परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए इस दिन भगवान हनुमान को सिंदूर का चोला चढ़ाएं। इससे बजरंगबली प्रसन्न होकर आपको सुख- समृद्धि का आशीर्वाद देंगे। हनुमान जन्मोत्सव के दिन एक नारियल लेकर हनुमान मंदिर जाएं। उसके बाद इसे अपने ऊपर से सात बार फेरते हुए हनुमान जी के सामने फोड़ दें। ऐसा करने से आपकी सारी बाधाएं दूर हो सकती हैं।हनुमान जन्मोत्सव के दिन बजरंगबली को गुलाब की माला अर्पित करें। उसके बाद 11 पीपल के पत्ते लेकर इसपर श्री राम का नाम लिख दें फिर इनकी माला बना लें और हनुमान जी को चढ़ा दें। इससे बजरंगबली की विशेष कृपा मिलती है और शनि देव भी प्रसन्न होते हैं। हनुमान जन्मोत्सव के दिन सुबह पीपल के जड़ में जल दें। इसके साथ ही इस दिन सरसों के तेल में थोड़ा सा उड़द की दाल और 1 सिक्का डालकर इसे जला दें। ऐसा करने से शनि भगवान खुश होकर अपनी कृपा बरसाते हैं।

-ज्योतिष गुरू पंडित अतुल शास्त्री

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

आतंकियों की हताशा

पिछले कुछ समय से जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों की बढ़ती सख्ती के बीच आतंकियों पर शिकंजा कसा है। इसकी वजह से आतंकवादियों के बीच हताशा की स्थिति साफ देखी जा सकती है। शायद यही वजह है कि अब आतंकियों ने पहचान तय करके किसी साधारण व्यक्ति को मार डालने की नई रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है, ताकि सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया जा सके। मगर उनकी ऐसी बर्बरता और अपनी मंशा को पूरा करने के लिए मानवीयता के खिलाफ हर हद को पार करने की हरकतों से उनकी हकीकत का पता चलता है। वरना क्या कारण है कि वहां अन्य राज्य से आकर कोई छोटा-मोटा काम करके गुजारा करने वाले गरीब लोगों या मजदूरों को भी मार डालने में उन्हें कोई हिचक नहीं होती। हालांकि आतंकवाद की जिस दृष्टि के साथ वे काम करते हैं, उसमें उनकी इस तरह की अमानवीय हरकतों पर हैरानी नहीं होती।गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवादियों ने एक बार फिर लक्षित हत्या की घटना को अंजाम दिया। बुधवार को बिजबेहरा इलाके के जबलीपोरा में आतंकियों ने एक मजदूर को नजदीक से गोली मार दी। मारा गया व्यक्ति बिहार से वहां जाकर मजदूरी और अन्य काम करता था। केवल इस वर्ष निशाना बना कर किसी व्यक्ति को मार डालने की यह तीसरी घटना है। पिछले कुछ समय से सुरक्षा बलों की बढ़ती सख्ती के बीच हताश आतंकियों ने अब राज्य के बाहर से आकर गुजारा करने वाले लोगों की हत्या करना शुरू कर दिया है। इससे पता चलता है कि उनका मकसद राजनीतिक नहीं है, बल्कि हिंसा और निर्दोष या मासूम लोगों की हत्या के जरिए आतंक फैलाना ही उनकी राजनीति है। दरअसल, यह वारदात जिस अनंतनाग लोकसभा क्षेत्र में हुई, वहां सात मई को तीसरे चरण के तहत मतदान होना है और उम्मीद की जा रही है कि वहां लोग अपने मताधिकार का खुल कर प्रयोग करेंगे। जाहिर है, बिहार से जम्मू-कश्मीर जाकर मजदूरी करने वाले व्यक्ति की हत्या दरअसल स्थानीय लोगों के बीच भी दहशत फैलाने की कोशिश है, ताकि लोगों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेने से रोका जा सके। समस्या यह है कि आए दिन सरकार आतंकवाद का सामना करने और उसका खात्मा करने के लिए हर स्तर पर सख्ती बरतने और आतंकियों का असर कम होने का दावा करती है। निश्चित रूप से आतंकियों पर नकेल कसने में मदद मिली है। आतंकवादी संगठनों को अब पहले के मुकाबले स्थानीय लोगों का संरक्षण भी नहीं मिल पा रहा है।

7.54 फीसदी घटे मतदान ने सियासी दलों की बढ़ाई टेंशन

रुद्रपुर। नैनीताल ऊधमसिंहनगर लोकसभा चुनाव में पड़े 7.54 प्रतिशत कम मतदान ने राजनीतिक दलों को टेंशन दे दी है। अभी तक लोकसभा चुनाव 2014 व 19 में लगभग 72 प्रतिशत के आसपास मतदान का ट्रेंड रहा है। इस बार घटे मतदान प्रतिशत ने सभी चुनावी विश्लेषकों को भी सोचने पर मजबूर कर दिया है। मतदान बीतने के बाद दूसरे दिन राजनीति दलों से जुड़े लोगों में कम मतदान से सियासी फायदे नुकसान की चर्चा होती रही। लोकसभा चुनाव 2014 में ऊधमसिंह नगर में 71.73 प्रतिशत वोट पड़े थे। यही ट्रेंड अगले 2019 लोकसभा चुनाव में भी बना रहा। जिले में कुल 72.12 प्रतिशत वोट बरसे थे। इस बार चुनाव में बढ़े मतदान को लेकर जहां राजनीतिक दल भी आश्वस्त थे, वहीं आयोग भी 85 प्रतिशत वोटिंग का लक्ष्य लेकर चल रहा था। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता प्रभावी होते ही पूरे जिले में व्यापक स्तर पर मतदान बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाए गए। इधर शुक्रवार को जब मतदान शुरू हुआ तो मतदाताओं में खासा उत्साह नहीं दिखा। गिने-चुने बूथों को छोड़ दें तो अन्य बूथों पर लाइन कम ही दिखी। लोग आसानी से आते गए और मतदान चलता रहा। शाम को जब आंकड़े आए तो पिछली बार के अपेक्षा कम मतदान हुआ मिला। अब ऐसे में भाजपा, कांग्रेस, बसपा सहित सभी 10 प्रत्याशियों का भाग्य तो ईवीएम में कैद हो गया है पर कम मतदान ने राजनीतिक पंडितों के समक्ष एक प्रश्न छोड़ दिया है। आखिर लगभग साढ़े सात प्रतिशत कम मतदान के मायने क्या हैं। दिनभर दुकानों से लगातार राजनीति दलों से जुड़े लोग इसी पर बहस करते दिखे। जिले में हुए कम मतदान ने राजनीतिक दलों के लोगों पर शिकन ला दी है।

उत्तर भारतीय अमेरिकन फील्ड सर्विस की राष्ट्रीय बैठक आयोजित

देहरादून(उद संवाददाता)। सेलाकुई इंटरनेशनल स्कूल में तीन दिवसीय उत्तर भारतीय अमेरिकन फील्ड सर्विस (एएफएस) राष्ट्रीय क्षेत्रीय बैठक आयोजित की जा रही है। इस वर्ष की अध्यक्षता सेलाकुई इंटरनेशनल स्कूल द्वारा की जा रही है। सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ बैठक का भव्य शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम में 37 से अधिक एएफएस सदस्य स्कूलों के डायरेक्टर, प्रिंसिपल, शिक्षाविद और विद्यार्थी बड़े उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। अमेरिकन फील्ड सर्विस, जिसे एएफएस के नाम से जाना जाता है, एक अंतरराष्ट्रीय युवा विनिमय संगठन है, जिसमें 50 से अधिक स्वतंत्र, गैर-लाभकारी संगठन शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक के पास स्वयं सेवकों का अपना नेटवर्क, पेशेवर कर्मचारी कार्यालय, स्वयंसेवक निदेशक मंडल और वेबसाइट हैं। एएफएस दुनिया भर में स्कूल-छात्रों को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से अंतर-सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल होने के विभिन्न अवसर प्रदान करता है। यह दुनिया भर के सभी सदस्य स्कूलों में छात्रों और शिक्षकों के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों की सुविधा भी प्रदान करता है। कार्यक्रम के मुख्य अथिति लेखक, शिक्षाविद् एवं पूर्व निदेशक लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान, मसूरी संजीव चोपड़ा रहें। उन्होंने समावेश का जीवन में महत्त्व पर प्रकाश डाला। एएफएस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री दिया बेजल ने एएफएस के एजेंडा पर प्रकाश डाला। बोर्डिंग स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. सुमेर बहादुर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सेलाकुई इंटरनेशनल स्कूल के हेडमास्टर राशिद शरफुद्दीन ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि इस बार 'समावेश' थीम पर एक राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह बैठक विद्यार्थियों में समान अवसर, विशेषकर अशक्त, वंचित लोगों की क्षमता में विकास और सुधार पर विचार कर एक प्लेटफार्म प्रदान करना है। साथ ही महिला स्वास्थ्य एवं मासिक चक्र के दौरान स्वच्छता को बढ़ावा देने, सेनेटरी पैड की उपयोगिता के साथ शिक्षित करने के उद्देश्य को महत्वपूर्ण बताया। यह छात्रों को अंतरराष्ट्रीय समझदारी, सांस्कृतिक विविधता और भाषाई कौशल में वृद्धि करने का मौका देगा। एएफएस के तहत, छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षणिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अनुभवों को समझने का अवसर मिलेगा। यह उन्हें ग्लोबल नागरिकता की दृष्टि से अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगा।

पाखंड और धोखे से बच सकें, तो बचें

एक फकीर गाँव से थोड़ा हट कर, अपने मकान में सो रहा था। रात अँधेरी थी। घुप्प अंधेरी। एक चोर आया। घर में घुसा। अँधेरे में इधर-उधर हाथ मार कर टटोलने लगा, शायद कुछ हाथ लग जाए... फकीर देख रहा था। उसे पता था

चोर घर में घुस आया है। घर में कुछ है नहीं.... बेचारा कुछ ढूंड रहा है... फकीर को उस पर बड़ा तरस आया... फकीर के पास केवल एक कम्बल ही था, जो उसने ओढ़ रखा था... फकीर ने सोचा. .... घर में घुसे चोर को कुछ तो मिलना चाहिए.... उसने वह कम्बल उतारा, एक तरफ रख दिया.... और स्वयं एक कोने में सरक गया सचोर बड़ा परेशान हुआ। उसे कुछ नहीं मिल रहा था.... इतनी दूर, गाँव से हट कर इस घर में आया तो इसीलिए था कि यहाँ कुछ मिलेगा, लेकिन ऐसा कुछ मिल ही नहीं रहा, जिसे उठा ले।चोर हताश हो गया.... आखिर उसे वह कम्बल मिल ही गया. ... उसने कम्बल उठाया। सोचा, इसे ही ले चलूं... लेकिन फिर सोचने लगा... इस घर में केवल यह कम्बल ही मिला है, कुछ और तो है नहीं... हो सकता है, घर का मालिक यहाँ ही हो, सामान और भी हो, केवल कम्बल एक तरफ रखा हो, उठा कर चलने लगूं तो मालिक उसे पकड़ ले... उसने कम्बल को उठाया, फिर रख दिया... उसे बड़ा मलाल हुआ.... खाहमखाह मेहनत की....चोर चलने लगा. .. दरवाजे तक आया... फकीर ने आवाज दी... भई, आये थे कुछ लेने, लेकिन कुछ लिए बिना चले जा रहे हो? बड़ी मेहनत की इतनी दूर, अँधेरे में डूबे मेरे घर में आने के लिए और खाली हाथ जा रहे हो? यह अच्छा नहीं। ले जाओ यह कम्बल ही। तुम्हारे काम आयेगा। मेरा क्या, फकीर हूं, गुजारा कर लूंगा... चोर बड़ा स्वार्थी था. ... चोर स्वार्थी ही होता है.... उसने सोचा. ...चलो, कम्बल ही ले चलता हूं.... उसने कम्बल उठा लिया। दरवाजे तक गया... . फकीर ने फिर कहा- दरवाजा स्लगा कर जाना... कोई और चोर आ गया तो उसे क्या दूंगा.... मेरे पास तो कुछ और है ही नहीं..... और जब चोर कम्बल हाथ में लिए दरवाजा बंद करने लगा तो फकीर ने फिर कहा... अरे भई, बड़े स्वार्थी हो. .. धन्यवाद तो करते जाओ.... में तुम्हें खाली हाथ तो नहीं लौटा रहा....चोर असमंजस में पड़ गया.... कम्बल हाथ में लिया.... दरवाजा बंद करने लगा, तो उसने फकीर का धन्यवाद भी किया....आखिर चोर पकड़ा गया.... और चोरियां भी उसने कबूल की। मामला अदालत में पहुंचा.. . फकीर को भी बुलाया गया। उसकी गवाही का महत्व था, लेकिन उसने कहा- चोर ने चोरी नहीं की... घर आया था, मैंने उसे कम्बल भेंट किया था.... उसने मेरा धन्यवाद भी किया था.... यह चोरी नहीं है। जज ने चोर को छोड़ दिया. ... बाहर आकर चोर ने फकीर के पाँव पकड़ लिए.... आपने मुझे जीवन की नई दिशा दी है... अब आप जहाँ रहेंगे में आपके साथ ही रहूँगा.... वह भी फकीर हो गया.....फकीर मन के भीतर के चोर को रहने नहीं देते। संत की शरण में आया हुआ व्यक्ति चोर रह ही नहीं सकता.... आदमी चोर नहीं है। उसके भीतर जो चोर बैठा है, दूषित विचारों का, वही चोर है। उसे काबू में करना है... संत भीतर के चोर को मारते हैं.... मन को शुद्ध करते हैं लेकिन वह व्यक्ति भीतर के चोर से या फिर असली चोर से बहुत खतरनाक होता है, दोगला होता है- किसी के सामने ऐसा व्यक्ति उसकी चापूलसी करेगा.... उसे दूसरे से बेहतर कहेगा... और जब वह दूसरे के पास जायेगा, तो उसकी चापूलसी अलग ढंग से करेगा... पहले की निंदा करेगा.... उसे अच्छा कहेगा.... ऐसा व्यक्ति जल्दी नंगा हो जाता है। समझते दोनों हैं, यह हमारा आदमी है, लेकिन वह होता किसी का भी नहीं, न पहले का, न दूसरे का... वह तो अपना स्वार्थ सिद्ध करता है... अपना लाभ देखता है....ऐसे व्यक्ति समाज के लिए नासूर हैं, जो दो में फाड़ डाल कर अपना लाभ देखते हैं.... असल में ऐसे चोर, असली चोर से कहीं अधिक खतरनाक होते हैं, असली चोर तो माल लेकर चला जायेगा, लेकिन ये दोगले व्यक्ति अथार्त नकली चोर, दोनों को लूटते हैं, सामने बैठ कर.... दोनों के साथ-साथ चलने का ढोंग रचते हैं लेकिन ये किसी के मित्र नहीं होते.... जो भी ऐसे लोगों को अपना मित्र समझते हैं, हितैषी समझते हैं, वे अंततः धोखा खाते हैं और जब उनका सब कुछ लुट जाता है, ऐसे तथाकथित शुभचिंतकों के कारण तो वे हाथ मलते रह जाते हैं और ये दोगले व्यक्ति असली चोरों से कहीं अधिक खतरनाक ये व्यक्ति दोनों को लुटता देखकर खुश होते हैं। लेकिन याद रखें. ... ऐसे व्यक्ति अपने इस 'कर्म का फल अवश्य भोगते हैं- अगले जन्म में ये गन्दी नाली के कीड़े तो बनते ही हैं, इस जन्म में भी वे कोढ़ी हो जाते हैं... लोग उनसे घृणा करते हैं.... जिस व्यक्ति से लोग घृणा करें, कोढ़ी ही होता है। ऐसे दोमुंहे साँपों से जितना बचा जा सके, बचें, क्योंकि इनकी हंसी में भी पाखंड और धोखा छिपा होता है ।

- प्रस्तुति- नरेश कुमार सेठ

सोनी को लाड़ प्यार के चलते मार डाला

दिल को दहला देने वाली सौतेली मां अब बहा रही पछतावे के आंसू

काशीपुर(उद संवाददाता)। काशीपुर में आठ वर्षीय बेटी की बर्बरता पूर्वक पिटाई करने और गला घोंटकर हत्या करके शव को घर से सामने एक खाली मकान के कमरे में गड्ढे खोदकर दबाने की आरोपी सौतेली मां लक्ष्मी देवी को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से आरोपी को जेल भेज दिया है। खड़कपुर देवीपुरा निवासी मोनू कुमार पुत्र स्व. भूकन सिंह की आठ वर्षीय बेटी सोनी हत्याकांड का आईटीआई थाना परिसर में सीओ अनुषा बडोला ने खुलासा किया। बताया मोनू कुमार ने 18 अप्रैल 2024 को तहरीर दी थी जिसमें कहा कि उसकी बेटी सोनी 17 अप्रैल 2024 को दोपहर डेढ़ बजे दुकान में सामान लेने गई थी जो लौटी नहीं। तब पुलिस ने बच्ची की गुमशुदगी दर्ज कर जांच एएसआई पुष्कर भट्ट को सौंपी। टीम ने जांच के दौरान आसपास के लोगों से पूछताछ की और सीसीटीवी खंगाले। तब 17 अप्रैल 2024 को सोनी की सौतेली मां लक्ष्मी देवी उसे अपने घर के सामने निर्माणाधीन मकान में ले जाते हुई दिखाई दी। पुलिस ने 18 अप्रैल 2024 की शाम उक्त मकान के एक कमरे में बने गड्ढे से मिट्टी हटाई तो उसमें हाथ-पैर बांधकर बोरे में बंद करके दबा शव मिला। पुलिस ने आरोपी सौतेली मां लक्ष्मी देवी पत्नी मोनू कुमार को गिरफ्तार कर बच्ची की गुमशुदगी के दर्ज मुकदमे को हत्या की धारा 302/201 आईपीसी में तरमीम कर लिया। साथ ही आरोपी महिला को

न्यायालय के समक्ष पेश कर उसे जेल भेज दिया। सीओ अनुषा बडोला के अनुसार पूछताछ में आरोपी लक्ष्मी देवी ने बताया उसका पति मोनू कुमार और सास संतोष देवी सोनी को ज्यादा लाड़-प्यार करते थे जिसे लेकर अक्सर घर में झगड़ा होता रहता था। इसी बात को लेकर वह सोनी से द्वेष भावना रखती थी। बताया उसने मौका पाकर उसकी हत्या कर दी और शव को घर के सामने खाली मकान में छिपा दिया। साथ ही पति को उसके गुम होने की फोन करके जानकारी दी। आईटीआई थाना प्रभारी प्रवीण कोश्यारी ने बताया आरोपी लक्ष्मी देवी ने अपने पति से सोनी के गुम होने की बात कही थी। पिता मोनू कुमार की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी भी दर्ज कर ली थी। यदि घर के आसपास सीसीटीवी नहीं लगे होते तो कुछ समय तक यह घटना राज ही बनी रहती। जांच में पुलिस टीम ने जब घर के पास लगे सीसीटीवी खंगाले, तब लक्ष्मी देवी 17 अप्रैल की दोपहर को सोनी को घर के सामने वाले मकान में ले जाती नजर आई जिसके बाद शक गहरा गया और पुलिस घटनाक्रम के तह तक पहुंच गई और आरोपी महिला को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। आईटीआई थाना के हवालात में बंद मृतक सोनी की सौतेली मां अब पछतावे के आंसू बहा रही है। आरोपी लक्ष्मी देवी ने बताया वह सोनी को पसंद नहीं करती थी, क्योंकि उसका पति मोनू और सास दोनों उसको चाहते थे। सौतेली मां की हर बात भी वह अपने पिता और दादी को बताती थी। जिसके चलते वह उससे बैर रखती थी और मौका पाकर गुस्से में आकर यह कदम उठाया। अब उसे अपनी करनी पर पछतावा हो रहा है। सोनी के पिता मोनू कुमार ने बताया कि पहली पत्नी से पैदा बेटी तनु (6) दलपतपुर जिला मुरादाबाद निवासी अपनी बुआ के पास रहती है और वहीं पढ़ाई कर रही है। वहीं लक्ष्मी देवी से पैदा बच्चे देव (2) और देविका (3) को वह खुद पाल लेगा। कहा अब तीनों बच्चे मैं और मेरी मां पाल लेंगे। क्योंकि दूसरी शादी करके इतना बड़ा धोखा खा लिया, जिससे अब कुछ सोचने में भी डर लगने लगा है। किस पर विश्वास करें अब तो सबसे भरोसा उठ गया है।

बंगाली, मुस्लिम बाहुल बूथों पर पुरुषों से ज्यादा महिलाओं ने डाले वोट

सितारगंज। लोकसभा चुनाव में हुए मतदान में बंगाली समाज और मुस्लिम समाज के करीब 23 बूथों पर महिला मतदाताओं की वोटिंग पुरुषों के मुकाबले अधिक रही है। शक्ति फार्म के 18 बूथ पर महिला प्रतिशत अधिकतम 94.50 दर्ज किया गया है। जबकि मुस्लिम बूथ पंडरी, नकहा, शहदौरा, फिरोजपुर में भी महिलाओं ने पुरुष मतदाताओं से अधिक वोटिंग की है। लोकसभा चुनाव में विधानसभा क्षेत्र के 136 पोलिंग बूथ पर 19 अप्रैल को मतदान हुआ। इन बूथों पर महिला, पुरुष, किन्नर मतदाताओं की पोलिंग अधिकतम अधिकतम 89.86 फीसद दर्ज की गई है। शक्ति फार्म के अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज रूदपुर के पोलिंग बूथ पर 690 महिला पुरुष मतदाताओं में से 620 मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर मतदान किया। जबकि विधानसभा क्षेत्र में न्यूनतम मतदान सामुदायिक पंचायत चीनी मिल के बूथ पर दर्ज की गई है, जो 50 फीसद है। इस बूथ पर 494 वोटरों में से 247 मतदाताओं ने मतदान किया है। इसके अलावा महिला, पुरुष मतदाताओं के अंतर पर नजर डाले तो 136 बूथों में से 23 बूथ पर महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा मतदान किया है। पंडरी, नकहा, शहदौरा, फिरोजपुर, फिरोजपुर दितीय, वन क्षेत्र उकरौली के बूथ पर महिला वोटरों का प्रतिशत पुरुषों के मुकाबले अधिक दर्ज किया है।

ढाबे में भड़की आग,लाखों की क्षति

रामनगर(उद संवाददाता)। काशीपुर रोड पर पीरूमदारा के पास नई बस्ती हल्दुआ में स्थित एक ढाबे में शनिवार देर रात भीषण आग लगने से हड़कम्प मच गया। कड़ी मशक्कत के बाद आग को काबू किया गया। अग्निकाण्ड में लाखों की क्षति का अनुमान है। जानकारी के मुताबिक नई बस्ती स्थित वीर दा ढाबा में देर रात आग लग गयी। जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे दमकल विभाग के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अग्नि शमन अधिकारी उमेश चंद्र परगाई ने बताया कि रात 2:20 पर कर्मचारियों को सूचना मिली ढाबे में भीषण आग लग गई है। इसके बाद मौके पर पहुंचे दमकल विभाग के कर्मचारियों ने आग बुझाने का काम शुरू किया। जिस स्थान पर यह ढाबा स्थित था उसके बराबर में घना जंगल है तथा जंगल में लग रही आग की चिंगारी इस ढाबे की छत में बनी एक झोपड़ी में पहुंचने के बाद झोपड़ी में भीषण आग लग गई। झोपड़ी के अंदर डेयरी का सामान रखा हुआ था जो आग की चपेट में आ गया। फायर

ब्रिगेड ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गाड़ी से पंपिंग कर एक हौज पाइप की मदद से आग को बुझाना शुरू किया मगर आग इतना बढ़ चुकी थी की वाहन में पानी समाप्त हो गया जिसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने पास में स्थित एक ट्यूबवेल से दुबारा पानी भरा और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है और इस संबंध में जांच की जा रही है और उसके बाद ही साफ हो पाएगा की आग किन कारणों के चलते लगी। उन्होंने बताया कि अभी नुकसान का आकलन नहीं किया गया है विभाग द्वारा आकलन की कार्रवाई की जा रही है साथ ही उन्होंने बताया कि यह ढाबा सूर्य प्रताप सिंह का था। आग बुझाने वाली टीम में फायर सर्विस चालक रमेश बंगारी, फायरमैन अजय कुमार और फायरमैन रविंद्र कुमार शामिल रहे।

शिविर में दर्जनों लोगों ने किया रक्तदान

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में श्री बालाजी धाम में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया। श्री बालाजी धाम दानपुर में श्री रक्तदान महादान होता है जिससे एक मनुष्य दूसरे मनुष्य को रक्त देकर उसकी जान की रक्षा कर सकता है, ऐसे में प्रत्येक स्वस्थ मनुष्य को अपने जीवन में रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इस दौरान श्री बालाजी धभूषण चुघ, प्रीतम अरोड़ा, राजकुमार श्रीधर, गिरीश चंद्र पांडे, सतीश हुड़िया और आमंत्रित सदस्य राजकुमार सिंघल ,मोहित राजपूत आदि मौजूद थे। रक्तदान शिविर में 51 यूनिट रक्तदान किया गया।

हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर पांच दिवसीय विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। जिसके तहत रविवार को रक्तदान शिविर लगाया गया।श्री बालाजी धाम के संस्थापक हरनाम चंद ने कहा कि ाम के अध्यक्ष विजय भूषण गर्ग, उपाध्यक्ष रवि बठला, महामंत्री पवन जिंदल, कोषाध्यक्ष विजय अरोड़ा, मंत्री मुकेश घई, व्यवस्थापक कैलाश राजपूत, कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र श्रीधर, भारत जिसमें से मुख्य रूप से बाबूराम, रोहित अरोड़ा, चिंतन बांबा ,राजेश सिंघल, मुकेश घई, अंशुल अरोड़ा ,रोहित अरोड़ा, चिराग आहूजा समेत 51 रक्तदाताओं ने रक्तदान शिविर में अपना सहयोग दिया।

दुराचार में नाकाम होने पर देवर ने भाभी व उसके परिजनों को धमकाया

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। दुराचार में नाकाम होने पर देवर द्वारा भाभी व उसके परिजनों को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता का कहना है कि उसका देवर उसके घर के बराबर में ही अपने परिवार सहित निवास कर रहा है। वह उसके पति के हिस्से की सम्पत्ति को हडपने के लिये लगातार कुचक्र रचता रहता है तथा मारपीट करता है। पूर्व में भी देवर उससे व उसके परिवारीजन के साथ मारपीट कर चुका है तथा लाठी डण्डो व अवैध तमन्चा से मारने की धमकी देता है। उसने आरोप लगाते हुए कहा कि 17 अप्रैल को सुबह वह अपने मकान में जानवरों के लिये भूसा भर रही थी कि तभी उसका देवर वहां आ गया और उसके साथ गाली-गलौच करने लगा और कहने लगा तुम्हें यहां से भगा कर रहूँगा।

जब उससे ऐसा करने से मना किया तो देवर उसे जबरन कमरे के अन्दर बुरी नीयत से खींचकर ले जाने लगा। छुड़ाने का प्रयास किया तो उसका मुंह दबाकर अश्लील हरकतें करने लगा। उसके चीखने चिल्लाने पर देवरानी ने उसे देवर के चंगुल से छुडाया। इसके बाद देवर घर में रखे उसके भूसे में आग लगाने लगा तब उसने व उसकी देवरानी ने उसे ऐसा करने से रोका तो उसने दोनों के साथ मारपीट की। आरोप है देवर धमकी देकर गया है कि मौका मिलने पर पूरे परिवार को गोली मारकर जान से मार दूगा।

पेज एक का शेष...

जिपं अध्यक्ष रेनू गंगवार...मैंने हमेशा उत्तराखंड को विकसित राज्य बनने का सपना देखा। ये सपना मोदीजी के नेतृत्व में साकार हो सकता है। तब से कयास लगाए जा रहे थे कि वह जल्द ही भाजपा में शामि हो सकती हैं। बता दें अनुकृति पहाड़ की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लंबे समय से काम कर रही हैं। अनुकृति पिछले विधानसभा चुनाव में लैंसडोन सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ी थीं। उन्हें भाजपा के दिलीप रावत ने हराया था। इसके बाद से अनुकृति कांग्रेस में खास सक्रिय नजर नहीं आ रहीं थीं।

उत्पीड़न पर भड़के....क्षेत्रों को फल व सब्जी आदि सामान की आपूर्ति की जाती है। अधिकारियों द्वारा मोदी मैदान में कारोबार करने के लिए कहा जा रहा है। जबकि यहां धूल भरी हवाओं के कारण कारोबार करना काफी मुश्किल है। इसलिए व्यापारियों को बगवाड़ा मंडी में ही कारोबार करने दिया जाये। प्रदर्शन करने वालों में राजीव मिड्डा, रजत मुन्जाल, सुरेश छाबड़ा, हरीश दिवान, ब्रज बिहारी, केतन गुगलानी, विरेन्द्र सोनकर, अफसार अहमद, इकरार अहमद, नासिर हुसैन, आरिफ, मुनव्वर, शंकर मंडल, हेमेन्त कुमार, महेन्द्र सागर, मनोज खुराना, शिव कुमार नारंग, सुरजीत चौहान, किशन पाल, सूरज गुगलानी, ओमप्रकाश आदि थे।

लाखों के चोरी के ...पूर्वी दिल्ली हाल निवासीउ ख्यालीराम जोशी, गोपी पुरम, हल्दूचौड़ बताया। पुलिस टीम में प्रभारी चौकी हल्दूचौड़ उनि. गौरव जोशी, कां. अनिल शर्मा, मनीष कुमार, गुरमेज,दयालनाथ, चन्द्रशेखर, मनीष नौटियाल, भूपेन्द्र शर्मा व तनुजा जोशी शामिल थे।

आपसी विवाद में ...उसकी हालत को नाजुक देखते हुए उसे बरेली के लिए रेफर कर दिया गया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही टीपी नगर चौकी प्रभारी दीपक बिष्ट, मय पुलिस फोर्स के मौके पर पहुंच गए और घटना की जानकारी ली। टीपी नगर चौकी प्रभारी दीपक बिष्ट का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आपसी लेन देन का बताया जा रहा है। क्योंकि दोनों के बीच 15 दिन पूर्व भी लेनदेन को लेकर झगड़ा हुआ था। दोनों के बीच में कुछ लेन देन था जिसको लेकर विवाद हुआ और किशन ठाकुर ने वेदांत को गोली मार दी। आरोपी फरार है जिसकी तलाश में दबिश दी जा रही है। उसे जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शादी में खाना ...तो दूर पुलिस उनका पता भी नहीं लग पा रही है ऐसे में पुलिस के ऊपर कई सवालिया निशान खड़े होते नजर आ रहे हैं इससे पूर्व में पति ने अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया था जब से ही वह मौके से फरार है लेकिन पुलिस अभी तक उसका सुराग भी नहीं पता लगा पाई है अब किशन ठाकुर ने नाबालिक को गोली मार कर पुलिस को चुनौती दी है देखना यह है कि रामपुर रोड में किशन ठाकुर के पास असलहा कहा से आया है।ओर कोन अपराधियों को असलेह लाकर दे रहा है। रामपुर रोड में 10 दिन के भीतर यह दूसरी घटना है अब देखना यह है कि पुलिस के हाथ किशन ठाकुर के गिरवा तक पहुंचेंगे या फिर पुलिस हवा में तीर चला कर पीड़ितों के परिजनों को गुमराह करेगी।

मृतक की जेब से ...है तो ट्रेन का गार्ड मृतक के शव को लेकर यूपी की सीमा में स्थित अलीगंज स्टेशन कैसे चला गया यह तमाम अनुत्तरित सवाल ऐसे हैं जिनका अब तक कोई जवाब नहीं मिल सका।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

गुरू माँ
A.C. चाहिए
Guru Maa Electronics आइये
रुपया 1 RUPEE 1990
घर ले जायें AC
मात्र 1 रुपये में
आज ही डिलीवरी आज ही इंस्टालेशन
BAJAJ FINSERV
CASH BACK WEEKEND UPTO 7500*
आधार लाये
उधार ले जाइये
SBI
CASH BACK UPTO 5%*
VOLTAS
DAIKIN
MITSUBISHI ELECTRIC
AMSTRAD
HITACHI
Carrier
SAMSUNG
BLUE STAR
IFB
Whirlpool
LLOYD
रुद्रपुर-काशीपुर बाईपास रोड I Mob: 9927882338